लखनऊ

बुधवार, 13 अगस्त, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 34

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

"जीवन में सफलता पाने के लिए आपको सोचने की बजाय करने की आवश्यकता होती है।"

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

बीएचयू में शर्मनाक वारदात! MBBS छात्रा से छेड़छाड़, 3 पूर्व छात्र गिरफ्तार

ओडिशा से लेकर कोलकाता तक विश्वविद्यालयों में महिला सुरक्षा आज के समय में एक बड़ा मुद्दा बन गया है। जहां हाल ही में ओडिशा में एक छात्रा ने जिस तरह से आत्मदाह किया एक सरकार और यूनिवर्सिटी पर बड़े सवाल खड़े करता है। अब छात्रा से छेड़छाड़ का ताजा मामला वाराणसी से आया है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के तीन पूर्व विद्यार्थियों को मंगलवार तड़के इस शिक्षण संस्थान के परिसर में एमबीबीएस छात्रा से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। काशी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसवाल ने बताया कि कथित घटना मंगलवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे की है जब छात्रा अपनी सहेलियों के साथ पुस्तकालय से अपने छात्रावास लौट रही थी। बंसवाल के अनुसार मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने कथित तौर पर छात्रा से छेड़छाड़ करने और उसके साथ मारपीट करने की कोशिश की। छात्रा की एक साथी द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। बंसवाल ने कहा, ''तीनों आरोपी बीएचयू के पूर्व छात्र हैं और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।'' उन्होंने बताया कि पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और मामले की जांच जारी है।

जंतर-मंतर पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, राहुल गांधी के वोट चोरी आरोपों पर कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा आयोग पर बार-बार वोट चोरी के आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए अपने दिल्ली मुख्यालय से जंतर-मंतर तक मार्च निकाला। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने 'हल्ला बोल मार्च' भी निकाला, जिसके दौरान कई कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। इससे पहले आज, मानसून सत्र के सत्रहवें दिन, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर संसद में विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हुए। कई विपक्षी सांसद '124 नॉट आउट' के नारे वाली सफेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुँचे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), सांसद सुप्रिया सुले और डीएमके सांसद कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता विरोध प्रदर्शन के दौरान प्याज पकड़े हुए देखे गए। सोमवार को, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और अन्य भारतीय ब्लॉक सांसदों को बिहार में कथित अनियमितताओं के विरोध में संसद से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च करते समय दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस बीच, लोकसभा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक' पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस विस्तार से समिति 2025 में शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक अपने निष्कर्ष प्रस्तुत कर सकेगी। यह

तुरंत रिहा किया जाए... किन कैदियों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कहा, सभी सरकारों को दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के चर्चित नीतीश कटारा हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने अपना बड़ा फैसला सुनाते हुए अपनी सजा को काट चुके सुखदेव यादव उर्फ पहलवान को रिहा करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया कि जिन कैदियों की सजा पूरी हो चुकी है उन्हें बिना देरी किए रिहा कर दिया जाए। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह पता लगाया जाए कि क्या कोई कोई दोषी अपनी सजा की अवधि से ज्यादा समय तक जेल में सजा काट रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि अगर कोई भी ऐसा दोषी अभी भी जेल के अंदर सजा काट रहा है और वो किसी दूसरे मामले में वांटेड नहीं है तो उसको तुरतं रिहा किया जाना चाहिए।

सजा पूरी करने वाले कैदियों की तत्काल रिहाई का आदेश

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने एक अभियुक्त को रिहा करने का आदेश देते हुए कहा कि उसने बिना किसी रियायत के अपनी सजा पूरी कर ली है, इसलिए उसकी तुरंत रिहाई होनी चाहिए। पीठ ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन व्यक्तियों ने अपनी सजा पूरी कर ली है उन्हें बिना किसी देरी और अतिरिक्त औपचारिकताओं के तुरंत रिहा किया जाए, क्योंकि कानूनन कोई भी व्यक्ति तय अवधि से अधिक समय तक जेल में नहीं रह सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यादव को अपनी सजा पूरी करने के बाद रिहा कर दिया जाना चाहिए था। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता को 9 मार्च 2025 के बाद जेल में नहीं रखा जा सकता बल्कि अपीलकर्ता को 10 मार्च, 2025 को ही रिहा करना चाहिए था, क्योंकि उसने अपनी सजा को पूरा कर लिया था।

क्या होता है फर्लो?

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले यादव को तीन महीने का फर्लो यह बताते हुए दिया था कि वह बिना किसी रियायत के लगातार 20 वर्षों तक जेल में रह चुके हैं। फर्लो एक तरह से जेल से अस्थायी रिहाई होती है, न कि पूरी सजा का निलंबन या छूट। यह आमतौर पर ऐसे लंबी अवधि के कैदियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपनी सजा का एक निश्चित हिस्सा पूरा कर लिया हो। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2024 के उस आदेश को यादव की याचिका में चुनौती दी गई थी जिसमें जिसमें तीन हफ्ते के फर्लो की उनकी मांग खारिज कर दी गई थी।

कानूनन तय अवधि से अधिक जेल में रहना अवैध

सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यह आदेश राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को भेजा जाए ताकि उसे राज्यों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को प्रेषित किया जा सके। कोर्ट का यह फैसला नितिश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव पहलवान की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। पीठ ने उनकी तत्काल रिहाई का आदेश देते हुए कहा कि उन्होंने बिना किसी रिमिशन (सजा में कटौती) को गिने भी अपनी पूरी सजा पूरी कर ली है।

नीतीश कटारा हत्याकांड

3 अक्टूबर 2016 को सुप्रीम कोर्ट ने विकास यादव और उसके चचेरे भाई विशाल यादव को नीतीश कटारा के सनसनीखेज अपहरण और हत्या के मामले में दोषी पाते हुए बिना किसी रियायत के 25 साल की कैद की सजा सुनाई। इसी मामले में सह-दोषी सुखदेव यादव को 20 साल की सजा मिली। 16-17 फरवरी 2002 की रात तीनों ने एक विवाह समारोह से नीतीश कटारा का अपहरण किया और विकास यादव की बहन भारती यादव से उसके कथित संबंध के कारण उसकी हत्या कर दी। भारती उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री डी.पी. यादव की बेटी हैं।

जंतर-मंतर पर NSUI कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, राहुल गांधी के वोट चोरी आरोपों पर कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा आयोग पर बार-बार वोट चोरी के आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए अपने दिल्ली मुख्यालय से जंतर-मंतर तक मार्च निकाला। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने 'हल्ला बोल मार्च' भी निकाला, जिसके दौरान कई कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया।

इससे पहले आज, मानसून सत्र के सत्रहवें दिन, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर संसद में विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हुए। कई विपक्षी सांसद '124 नॉट आउट' के नारे वाली सफेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुँचे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), सांसद सुप्रिया सुले और डीएमके सांसद कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता विरोध प्रदर्शन के दौरान प्याज पकड़े हुए देखे गए। सोमवार को, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और अन्य भारतीय ब्लॉक सांसदों को बिहार में कथित अनियमितताओं के विरोध में संसद से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च करते समय दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस बीच, लोकसभा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक' पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस विस्तार से समिति 2025 में शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक अपने निष्कर्ष प्रस्तुत कर सकेगी।

'वोट चोरी' के आरोपों को दोहराते हुए बोले राहुल गांधी, पिक्चर अभी बाकी है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत को लागू करने का अपना कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगाया और मतदाता सूची में अनियमितताओं के दावों का हवाला देते हुए कहा कि अभी पिक्चर बाकी है। गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा में लगी हुई है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। राहुल गांधी ने भारत के चुनाव आयोग की तीखी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को लागू करने में विफल रहा है, जिसे उन्होंने संविधान की नींव बताया।

गांधी ने चुनाव आयोग पर अपने कर्तव्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति, एक वोट संविधान की नींव है। एक व्यक्ति, एक वोट को लागू करना चुनाव आयोग का कर्तव्य है, लेकिन उन्होंने अपना कर्तव्य नहीं निभाया है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं, और हम इसे करते रहेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सिर्फ़ एक सीट नहीं है (जहाँ 'वोट चोरी' हो रही है), बल्कि कई सीटें हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। चुनाव आयोग इसे जानता है और हम भी इसे जानते हैं।

इससे पहले आज, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर संसद में इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। कई विपक्षी सांसद '124 नॉट आउट' नारे वाली सफ़ेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुँचे। माकपा सांसद पी. संदोष कुमार ने कहा कि विपक्ष अपने अभियान को तेज़ करने का इरादा रखता है, 'इंडिया पार्टियों के नेता ज़्यादा उत्साहित हैं और यह एक अखिल भारतीय अभियान बन गया है।

शर्मनाक आपकी गलतबयानी है... प्रियंका गांधी के किस पोस्ट को लेकर भड़के इजरायली राजदूत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने कांग्रेस सांसद की उस पोस्ट को लेकर एक्स (X) पोस्ट की जिसमें इज़राइली शासन द्वारा फ़िलिस्तीन में नरसंहार और चल रहे संघर्ष के दौरान गाज़ा में लाखों लोगों के भूखे मरने का खतरा होने का दावा किया गया था। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'इज़राइली राज्य नरसंहार कर रहा है। उसने 60,000 से ज़्यादा लोगों की हत्या की है, जिनमें 18,430 बच्चे थे। उसने सैकड़ों लोगों को भूख से मार डाला है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं और लाखों लोगों के भूखे मरने का खतरा है।'

प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि चुप्पी और निर्षक्रियता से इन अपराधों को बढ़ावा देना अपने आप में एक अपराध है। यह शर्मनाक है कि भारत सरकार चुप है जबकि इज़राइल फ़िलिस्तीन के लोगों पर यह तबाही मचा रहा है। प्रियंका की टिप्पणी पर कड़ा पलटवार करते हुए, अजार ने कांग्रेस नेता के शर्मनाक धोखे की निंदा की। उन्होंने कहा कि शर्मनाक आपकी गलतबयानी है। इज़राइल ने '25,000 हमास आतंकवादियों' को मार गिराया है, और लोगों की जान का नुकसान इस फ़िलिस्तीनी संगठन द्वारा नागरिकों के पीछे छिपकर उन लोगों पर गोली चलाने से हुआ है जिन्हें निकाला जा रहा है या सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इज़राइल ने अब तक गाजा में 20 लाख टन भोजन पहुँचाया है, जबकि हमास ने भूखमरी पैदा करने के लिए उसे अवैध रूप से रोक रखा है। दूत ने प्रियंका से हमास के आंकड़ों पर विश्वास न करने को कहा और कहा कि पिछले 50 वर्षों में गाजा की जनसंख्या 450 प्रतिशत बढ़ गई है। उन्होंने आगे कहा कि शर्मनाक बात तो आपकी धोखेबाज़ी है। इज़राइल ने 25,000 हमास आतंकवादियों को मार गिराया। मानव जीवन की भयानक कीमत हमास की नागरिकों के पीछे छिपने की घिनौनी रणनीति, पलायन करने या सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोलीबारी और रॉकेट हमलों के कारण हुई है। इज़राइल ने गाजा में 20 लाख टन भोजन पहुँचाया, जबकि हमास उसे ज़ब्त करने की कोशिश कर रहा है, जिससे भुखमरी पैदा हो रही है।

पहले हक मारी, अब मत मारी कर रही है... SIR को लेकर BJP पर बरसे अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की और सत्तारूढ़ दल पर चुनावों को प्रभावित करने के लिए 'षड्यंत्र' रचने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए, अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर एक साल पहले भी हो सकता था, लेकिन वे वोट काटने के लिए जानबूझकर इसे अब करवा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का सबसे बड़ा काम षड्यंत्र और साजिश करना है। जब उनके पास सवालों के जवाब नहीं होते, तो वे चुनाव में षड्यंत्र रचते हैं। एसआईआर एक साल पहले भी हो सकता था, लेकिन वे बिहार में वोट काटने के लिए जानबूझकर इसे अब करवा रहे हैं,

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव मंजूर, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बनाई 3 सदस्यी कमेटी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ कैश-एट-होम विवाद के संबंध में आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठन करने की घोषणा की। इस समिति में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट के सीजीआई मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव, कर्नाटक हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट पी।वी। आचार्य शामिल होंगे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा, यह समिति जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। जांच समिति की रिपोर्ट हासिल होने तक यह प्रस्ताव लंबित रहेगा। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 146 सांसदों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महाभियोग चलाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसी के बाद अब जज यशवंत वर्मा पर लगे आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

14 मार्च 2025 को जस्टिस वर्मा के घर आग लगने की घटना के बाद करोड़ों की नकदी मिली थी। होली की रात करीब 11।35 बजे जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में अचानक आग लग गई थी। घटना के दिन जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी घर पर मौजूद नहीं थे, वो घर से बाहर थे। आग लगने के बाद उनके परिवार ने आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को फोन लगाया। आग बुझाने जब फायर ब्रिगेड पहुंची तो वहां कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नोटों की गड्डी मिली। जानकारी के मुताबिक, एक पूरा कमरा नोटों से भरा मिला था। इस मामले की जांच के लिए तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने तीन न्यायाधीशों की एक आंतरिक जांच समिति गठित की थी।

SC ने खारिज की जज की याचिका

इस मामले में जज यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार, 7 अगस्त को जज यशवंत वर्मा की ओर से घर में नकदी कांड के संबंध में दायर एक रिट याचिका खारिज कर दी। जज वर्मा की याचिका में उस आंतरिक जांच रिपोर्ट को चुनौती दी गई थी, जिसमें उन्हें घर में नकदी कांड में दोषी ठहराया गया था और पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की ओर से दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी बरामद होने के मामले में उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश की गई थी।

124 नॉट आउट मिंता देवी के नाम की प्रियंका समेत विपक्ष ने पहनी मिंता देवी के नाम की टीशर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार में कथित वोटर धोखाधड़ी और वोटर लिस्ट के लिए विशेष सघन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है। इंडिया गठबंधन लगातार आवाज बुलंद किए हुए है। चुनाव आयोग तक विपक्ष के मार्च को लेकर हुए हाई-वोल्टेज ड्रामा के एक दिन बाद मंगलवार को उसने फिर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, पार्टी सांसद प्रियंका गांधी समेत कई विपक्षी नेता संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए नजर आए। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने 'मिंता देवी' की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनी हुई थी। इन टी-शर्ट के पीछे '124 नॉट आउट' भी लिखा हुआ था। उन्होंने 'एसआईआर वापस लो' के जमकर नारे लगाए।

कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा, 'बिहार में SIR के बाद बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में धांधली सामने आ रही है। आपका वोट चोरी किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने विधानसभा क्षेत्र दरौंदा में एक महिला मिंता देवी की उम्र 124 साल बताई है। INDIA गठबंधन लगातार ऐसे फर्जीवाड़े को लेकर आवाज उठा रहा है। आज INDIA गठबंधन के सांसदों ने SIR और इस वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हम झुकने वाले नहीं हैं, वोट चोरी के विरुद्ध लड़ते रहेंगे।'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी क्या लगा रहे हैं आरोप?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। वन मैन-वन वोट संविधान की नींव है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह वन मैन-वन वोट को लागू करे, लेकिन उन्होंने अपना काम नहीं किया। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं और लगातार करते रहेंगे। 124 साल की मिंता देवी का एक केस है, ऐसे बहुत सारे मामले हैं। अभी तो पिक्चर बाकी है।' मिंता देवी उन वोटरों में से एक थीं जिनका जिक्र कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से कथित मतदाता धोखाधड़ी के मुद्दे पर दिए गए प्रेजेंटेशन में किया गया था। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा, 'चुनाव आयोग की विफलता का स्तर समझा जा सकता है। राजीव कुमार और ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग बीजेपी का एक विभाग बन गया है। वे पूरी तरह से विफल रहे हैं।उदाहरण के लिए, मीता देवी पहली बार मतदाता बनी हैं, लेकिन उनकी उम्र 124 वर्ष है। हम इस विषय पर चर्चा चाहते हैं। बिहार की मसौदा मतदाता सूची नकली नामों वाली एक फर्जी मतदाता सूची है।

INSTA से मिला लड़की के सुसाइड अलर्ट, 18 मिनट में पहुंची पुलिस बचा ली युवती की जान

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। सोशल मीडिया सिर्फ अभिव्यक्ति की आजादी ही नहीं देता बल्कि कभी-कभी यह लोगों की जान भी बचाता है। ऐसा ही एक मामला गाजीपुर के सादात इलाके से आया है। यहां पर सोशल मीडिया की सूचना पर 12 किलोमीटर की यात्रा को पुलिस ने 18 मिनट में तय कर भारी मात्रा में नींद की गोली खाने वाली युवती को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा कर उसकी जान बचाई।

दरअसल इंस्टाग्राम पर युवती ने अपना वीडियो डालकर सुसाइड का प्रयास किया था। इसकी जानकारी डिजी कार्यालय लखनऊ को हुई और फिर वहां से सादात पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। सादात पुलिस बगैर देर करते हुए 18 मिनट में युवती के

घर पर पहुंचकर उसे तत्काल इलाज उपलब्ध कराया, जिससे उसकी जान बच गई।

क्या था मामला?

मामला उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के सादात थाना क्षेत्र के एक गांव कहा है। यहां मंगलवार की दोपहर एक युवती ने प्रेम संबंध में हुए आपसी विवाद के चलते आत्महत्या करने का प्रयास किया। इसके लिए उसने दवा की कई गोलियां एक साथ खा ली और दवा खाने का वीडियो उसने अपने इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। यही वीडियो अपलोड करना यूपी पुलिस और युवती के लिए वरदान साबित हो गया।

आत्महत्या का यह वीडियो जैसे इंस्टाग्राम पर अपलोड हुआ वैसे ही इसका नोटिफिकेशन यूपी डीजीपी कार्यालय लखनऊ पहुंचा। जानकारी के बाद यूपी पुलिस तत्काल एक्टिव हो गई और मामले की जानकारी सादात पुलिस को दी गई। सादात पुलिस बिना लेट किये हुए युवती के बताए गए लोकेशन पर पहुंच गई।

18 मिनट में 12 KM पहुंची पुलिस

जानकारी के मुताबिक सुसाइड करने वाली युवती का घर सादात थाने से 12 किलोमीटर की दूरी पर था। पुलिस तत्काल एक्शन लेते हुए उसके गांव मात्र 18 मिनट में पहुंच गई। यहां पर उसके सुसाइड करने की जानकारी उसके परिवार के लोगों को भी नहीं थी और वह अपने कमरे में अचेत अवस्था में पड़ी हुई थी। परिवार के लोगों को जब अपनी बेटी को भारी संख्या में दवा खाने और आत्महत्या करने की जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया।

युवती की बची जान

पुलिस ने बगैर देर किए महिला कांस्टेबल की मदद से उसे पास के स्वास्थ्य केंद्र पर ले गई, जहां पर उसका डॉक्टर ने तत्काल इलाज शुरू किया। इसके बाद युवती होश में आ गई। होश में आने के बाद सादात पुलिस के साथ में गई महिला कांस्टेबल ने जब युवती से उसके आत्महत्या करने का कारण पूछा। तब उसने बताया कि वह अपने प्रेमी के किसी बात से नाराज होकर इस तरह का कदम उठाई थी। उसे अपना जीवन बेकार लगने लगा था, जिसको लेकर उसने भारी संख्या में दवा खा थी।

परिजन ने पुलिस को दिया धन्यवाद

वहीं डॉक्टरों ने बताया कि जिस तरह से पुलिस कम समय में युवती को स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई और उसका इलाज हुआ। उससे युवती की जिंदगी बच गई। युवती की जिंदगी बच जाने पर उसके परिवार के लोगों ने यूपी पुलिस और उनकी पूरी टीम को हृदय से धन्यवाद दिया। साथ ही उनके कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि आज यदि यूपी पुलिस नहीं होती तो शायद उनकी बेटी इस दुनिया में नहीं होती।

अधिकारी ने क्या कहा?

इस मामले पर क्षेत्राधिकारी भुडकुडा सुधाकर पांडे ने बताया कि सादात पुलिस को डिजी कार्यालय लखनऊ से इस तरह की जानकारी मिली थी। इसके बाद सादात पुलिस और महिला कांस्टेबल तत्काल मिले लोकेशन पर पहुंची। वहां पर युवती गंभीर स्थिति में थी जिसे परिजनों के साथ लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंची जिससे युवती की जान बच पाई।

फर्जी दस्तावेजों से पासपोर्ट बनवाकर व्यक्ति फरार

सुल्तानपुर। कुड़वार थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों से पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने का मामला सामने आया है। रंकेडीह निवासी राजेंद्र प्रसाद की शिकायत पर एसपी ने मामले में केस दर्ज करने का आदेश दिया है। शिकायत के अनुसार, गांव के समीर खान के खिलाफ पहले से एक आपराधिक मुकदमा चल रहा है। समीर ने अपना वास्तविक नाम छिपाकर सहमीर पुत्र मुस्लिम खान के नाम से आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवाए। इन फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उसने पासपोर्ट बनवाया और विदेश चला गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस पूरी साजिश में समीर के पिता मुस्लिम खान और भाई मोसिम खान भी शामिल हैं। उनके प्रभाव में कुड़वार पुलिस ने गलत रिपोर्ट बनाकर समीर को विदेश भागने में मदद की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि ये लोग देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं।

50 प्रतिशत टैरिफ भारत के सम्मान पर सीधा प्रहार

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की जनपद इकाई के सुपर मार्केट स्थित प्रतिष्ठान पर आज एक संक्षिप्त बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मनीष साहू ने कहा कि जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्णय केवल एक व्यापारिक नीति नहीं बल्कि यह भारत की आर्थिक ताकत, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को कमजोर करने का एक सुनियोजित प्रयास है। यह कदम भारत-अमेरिका के दशकों पुराने विश्वास व सहयोग के रिश्तों को ठेस पहुंचाता है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों व भावना के पूरी तरह खिलाफ है। श्री साहू ने कहा कि भारत सरकार इसको आर्थिक अन्याय व अघोषित आर्थिक युद्ध मानती है। हमारा देश किसी भी व्यापारिक दबाव को सहन नहीं करेगा। यह केवल भारत के निर्यातकों के लिए ही नहीं बल्कि हमारे किसानों, कारीगरों और उद्योगों और करोड़ों मेहनतकश भारतीयों के लिए एक चुनौती है। श्री साहू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा शुरू से ही अपने दूसरे कार्यकाल में अपनी गरिमा के विपरीत बयान व नीतियां घोषित की जा रही है जिसका नुकसान आने वाले समय में अमेरिका के आयातकों व उपभोक्ताओं को भी होगा। उन्होंने आहवान किया कि अब समय आ गया है कि भारतीय बाजार से अमेरिकी सामानों का बहिष्कार किया जाये और अमेरिकी ब्रान्डस व उनके सामानों का उपयोग बन्द किया जाए। अपने स्वदेशी उत्पाद को बढ़ाये जाने के लिए वोकल फार लोकल और मेक इन इंडिया को मजबूत करते हुए हर क्षेत्र में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता दी जाए। श्री साहू ने कहा कि यह केवल सरकार की लडाई नहीं है बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक उत्तरदायित्व है। जैसे स्वतंत्रता संग्राम में विदेश वस्त्रों का बहिष्कार हुआ था वैसे ही हमें अमेरिका वस्तुओं का बहिष्कार करना होगा। अब हर भारतीय को नो टू अमेरिका का संदेश देना होगा तभी अमेरिका को अपनी गलती का अहसास होगा। साथ ही हमें इस बात का भी प्रचार करना होगा कि स्वदेशी अपनाओं अमेरिकी सामान हटाओ-भारत पहले अमेरिका बाद में। जो देश हमारे साथ नही उसका सामान हमारे पास नहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी उत्पादों में प्रमुख रूप से देशवासियों को व प्रमुख उपभोक्ताओं को कोलाकोला, फैन्टा, थम्पअप, पेप्सी, मैकडान्ल्स, डोमिनो'ज पीजा, बर्गर किंग सबवे, केएफसी, पिजाहट आदि वस्तुओं का बहिष्कार करना होगा।

'पत्नी ने मुझे बेटी से पिटवाया...भाइयों, ऐसी जिंदगी कौन जिएगा', डेढ़ मिनट का वीडियो बना व्यापारी ने दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। मेरे घर में कौन बाहरी लोग आ रहे हैं, यह पूछने का अधिकार मेरा है कि नहीं। यही बात पूछी तो पत्नी ने मेरी ही बेटी से मुझे पिटवाया। भाइयों, ऐसी जिंदगी कौन जिएगा...यह कहते हुए सोमवार को व्यापारी मनोज कुमार गोड़ (46) ने तमंचे से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

गांव केशवपुर निवासी मनोज गोड़ ने आत्महत्या से पहले बनाए डेढ़ मिनट के वीडियो में पत्नी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मौके से 315 बोर का तमंचा बरामद किया। सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव केशवपुर के मनोज कुमार गोड़ कैली रोड पर बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान चलाते थे और प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम करते थे। परिवार में मनोज, उनकी पत्नी और उनकी दो बेटियां हैं।

सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे परिजनों ने उनके कमरे से गोली

चलने की आवाज सुनी। दरवाजा खोलने पर मनोज खून से लथपथ कुर्सी पर बैठे मिले और पास में तमंचा पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अवैध है बरामद असलहा

एएसपी अनंत चंद्रशेखर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल से एक वीडियो भी मिला है, जो आत्महत्या से पहले का बताया जा रहा है। बरामद असलहा अवैध है। उसकी जांच की जा रही है कि वह मनोज के पास कैसे आया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभी तहरीर नहीं मिली है। परिजन भी कुछ नहीं बता रहे हैं।

आत्महत्या से पहले बनाए गए वीडियो का अंश

हैलो दोस्तों, बाबू आज हमारी जिंदगी का लास्ट दिन है भइया, ये जो घूरन प्रसाद की लड़की है। भइया एकरा घरे के लइकी जहां-जहां गइनीं, उ कुल घर बरबार कर देनी भइया, आज इ यह स्थिति में ला देलस की हमार लइकी हमरे के मारे लगनी। भइया, अइसन जिंदगी के जिही भइया।

हे बाबू, हे सगाजन लोगों, हम आप लोगों को सूचित कर रहे हैं कि एकरे कुल खनदान के लइकी के कबहूं घरे मत लइहा जा, देख ल जा आप लोग के सामने हमार आज इ स्थिति है। सब कुल बाहरी-बाहरी अदमी बुलाके घरे में रखत हइसन, एही क हम आज विरोध कइनी ह कि हमरे घरे में के आवत ह, त हमके हमरे बेटी से मरवइलस ह। इस वीडियो में मनोज कुमार गोड़ की दाहिनी आंख की तरफ सिर से खून निकल रहा था।

रक्षाबंधन के दिन मायके जाने के लिए पति-पत्नी में हुआ था विवाद

पड़ोसियों के अनुसार, मनोज कुमार गोड़ रक्षाबंधन के दिन आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में गए थे। पत्नी राखी बांधने मायके जाने वाली थी लेकिन वह नहीं ले गए। तभी से पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। सोमवार को किसी बाहरी व्यक्ति को घर ले आने पर विवाद हुआ था। आस-पड़ोस के लोगों का कहना है कि इससे पहले परिवार में किसी तरह के विवाद की बात सामने नहीं आई है।

प्रगतिशील किसान की मिनी बागवानी से अधिकारी हुए प्रभावित

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के नंदौली गांव में प्रगतिशील किसान जमील अहमद के मिनी बागवानी का अवलोकन करने मुख्य कार्यकारी अधिकारी अय्यूब हुसैन और पूर्व संयुक्त निदेशक कृषि आनंद कुमार त्रिपाठी पहुंचे। यहां अनेकों प्रजातियों के आम, इमली, अमरूद और मसालेदार पौधों को देखकर दोनों अधिकारी प्रसन्न हुए और जमील अहमद के नवाचारपूर्ण कार्य की सराहना की।इस दौरान कस्तूरी प्रजाति के आम का पौधा भी रोपा गया। जमील अहमद ने बताया कि कस्तूरी आम एक दुर्लभ प्रजाति है, जो मुख्यतः बोर्निया में पाई जाती है। इसका स्वाद मीठा और तीखा होता है, जिसमें नींबू व मसाले का हल्का एहसास मिलता है। यह विटामिन ए, बिटामिन सी और फाइबर से भरपूर होता है, जो सेहत के लिए अत्यंत लाभकारी है।कार्यक्रम में अध्यापक शमीम खान, त्रिभुवन, अरमान, रुस्तम समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बदायूं में भीषण हादसा : जिला पंचायत के बोर्ड से टकराई कार, जन्मदिन पर लेखपाल समेत तीन दोस्तों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं में तेज रफ्तार कार जिला पंचायत के बोर्ड से टकरा गई, जिससे उसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक की हालत गंभीर है। उसे बरेली रेफर किया गया है। चारों युवक लेखपाल दोस्त का जन्मदिन मनाकर कार से लौट रहे थे। हादसा सोमवार रात को करीब एक बजे बाइपास पर एआरटीओ कार्यालय के पास हुआ। तीन युवकों की मौत के बाद उनके परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के मुताबिक थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के मोहल्ला कल्याण नगर निवासी हर्षित सक्सेना उर्फ राजा (23) पुत्र मुन्ना बाबू सक्सेना संभल के गुन्नौर में लेखपाल के पद पर तैनात थे। सोमवार को उनका जन्मदिन था। वह अपने दोस्त दहेमी निवासी रुबल (22) पुत्र यशपाल सिंह, माल गोदाम रोड

निवासी हर्षित गुप्ता (26)पुत्र मनोरंजन लाल गुप्ता, कल्याण नगर निवासी अंकित (24) पुत्र संजीव कुमार के साथ जन्मदिन की पार्टी मनाने किसी रेस्टोरेंट में गए थे।

एआरटीओ कार्यालय के पास हुआ हादसा

जन्मदिन पार्टी के बाद रात करीब एक बजे कार में सवार होकर चारों लोग उझानी की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार एआरटीओ कार्यालय से निकली कि कार अनियंत्रित होकर बाइपास पर लगे जिला पंचायत के बोर्ड से टकरा गई। हादसा इतना भयंकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए। चारों युवक सड़क पर खून से लथपथ होकर जा गिरे। मौके पर चीख-पुकार मच गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां लेखपाल हर्षित सक्सेना, रूबल एवं हर्षित गुप्ता को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी रोते बिलखते मडिकल कॉलेज पहुंच गए। पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराया है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर से निकली गई तिरंगा यात्रा

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुल्तानपुर के सीताकुंड स्थित महिला परिसर से भारत सरकार व उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी पांचों ईकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं के द्वारा महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ.ओम प्रकाश पाण्डेय "बजरंगी" के मार्गदर्शन और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.अंग्रेज सिंह के दिशानिर्देश में तिरंगा यात्रा निकली गई। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा किया गया जो सीताकुंड कैंपस से होते हुए शहर के मुख्य मार्गों दीवानी चौराहा, तिकोनिया पार्क चौराहा, डाकखाना चौराहा,चौक घंटाघर, अस्पताल रोड होते हुए पुनः सीताकुंड कैंपस पर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा के पश्चात एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया,

जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि ये तिरंगा झंडा हमारे देश की आन, बान और शान है।भारत देश को आजादी दिलाने में हजारों क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है और हम सभी का यह कर्तव्य है कि इस आजादी के महत्व को समझते हुए उनके दिखाए गए मार्ग पर चलते रहे।वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डॉ विष्णु शंकर अग्रहरि ने कहा यह तिरंगा झंडा हमारे देश की संप्रभुता,एकता एवं अखंडता का प्रतीक होता है। इस अवसर पर प्रो. गीता त्रिपाठी, प्रो.अनुज पटेल के साथ कार्यक्रमधकारी डॉ. शाहनवाज आलम, डॉ.दीपा सिंह, डॉ.भोलानाथ, डॉ.देवेन्द्र नाथ मिश्र और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

सांप के काटने से भाई-बहन की मौत

सुल्तानपुर। जिले के अखण्डनगर थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। प्रहलाद राजभर के तीन बच्चे सोमवार रात एक तख्त पर मच्छरदानी लगाकर सो रहे थे। इनमें 15 वर्षीय आरुषी, 11 वर्षीय अनन्या और 5 वर्षीय शिवांश शामिल थे। रात करीब 11 बजे एक जहरीला सांप बिस्तर पर चढ़ आया। सांप ने किनारे सो रहे आरुषी और शिवांश को काट लिया। बीच में सो रही अनन्या बाल-बाल बच गई। परिजनों को जब बच्चों की तबीयत खराब होने का पता चला, तो उन्होंने कमरे में सांप को देखा। घायल बच्चों को तत्काल जौनपुर के शाहगंज में एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां शिवांश की मौत हो गई। आरुषी को जिला अस्पताल जौनपुर ले जाते समय मंगलवार सुबह करीब 9 बजे उसने भी दम तोड़ दिया। बच्चों की मौत की खबर से मां रेखा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम छाया हुआ है।

खुद को हिंदू बताकर छात्रा को प्रेम जाल में फंसाया, रेप कर तस्वीरें वायरल करने की दी धमकी... निकाह का बनाया दबाव

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। झांसी जिले के मऊरानीपुर कस्बे से लव जिहाद का एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मऊरानीपुर थाने में एक पीड़ित छात्रा और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक मुस्लिम युवक अफरोज पर आरोप लगया है। आरोप है कि कादम्बली निवासी अफरोज ने छात्रा से अपनी पहचान छुपाते हुए उसके सामने खुद को समीर आर्य बताकर हिंदू युवक के रूप में पेश किया।

फिर उसने छात्रा के सामने फोटो और बातचीत के जरिए खुद को हिंदू साबित किया। पीड़िता मऊरानीपुर की रहने वाली है। वो बीटीसी की छात्रा है। आरोप है कि अफरोज ने छात्रा को प्रेमजाल में फंसाया और उसके साथ भरोसे का रिश्ता बनाकर उसकी अस्मत लूट ली। छात्रा की मां का कहना है कि मेरी बेटी को जब युवक

की असली पहचान का पता चला, तो उसने उससे दूरी बनाने की कोशिश की।

जबरन निकाह का बनाया दबाव और दी धमकी

यहीं से आरोपी की धमकियों और ब्लैकमेलिंग का सिलसिला शुरू हुआ। आरोप है कि अफरोज ने पीड़िता की निजी तस्वीरें और वीडियो वायरल करने की तक धमकी दी। साथ ही अफरोज पीड़िता पर जबरन निकाह करने का दबाव बनाते हुए उसे जान से मारने की धमकियां भी देने लगा। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने यह तक कह दिया कि अगर उसने निकाह से इंकार किया तो वह आत्महत्या कर उसके पूरे परिवार को फंसा देगा।

मामले पर बजरंग दल का क्या कहना है?

बजरंग दल का कहना है कि यह मामला महज एक प्रेम-प्रसंग का नहीं बल्कि पहले से षडयंत्र किया हुआ लव जिहाद का उदाहरण है, जहां एक मुस्लिम युवक ने अपनी पहचान छुपाकर एक हिंदू लड़की का शोषण किया और अब धमकियों के जरिए उसे मजबूर करने की कोशिश कर रहा है। अब सोशल मीडिया पर यह खबर और आरोपी की तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है।

आरोपी ने किया जहर खाने का नाटक

मामला तब और बिगड़ गया जब सोमवार को आरोपी पीड़िता के घर पहुंच गया। फिर घर के बाहर जहर खाने का नाटक करने लगा। उसने पीड़ता के परिजनों के सामने जहर की तरह दिखने वाली कोई पुड़िया फाड़ी और मुंह में डाल ली, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पीड़ता के परिजनों तत्काल आरोपी को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि आरोपी ने वास्तव में जहर नहीं खाया, बल्कि यह महज एक नाटक था, ताकि परिवार पर दबाव बनाया जा सके। इस घटना के बाद पीड़िता के परिजन सीधे मऊरानीपुर कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। उन्होंने पुलिस से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। वहीं, इस प्रकरण में बजरंग दल के जिला संयोजक रोहित कुशवाहा भी अपने कार्यकर्ताओं के साथ कोतवाली पहुंचे और पीड़िता के आरोप पर आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की।

पुलिस अधिकारी मामले पर कुछ नहीं बोले

पीड़िता और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के अनुसार, खास बात यह है कि आरोपी की असली और फर्जी दोनों पहचान की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं, जिसमें एक में वह लाल तिलक लगाकर खुद को हिंदू दर्शाता नजर आ रहा है। इस गंभीर मामले में जब मीडिया ने पुलिस अधिकारियों से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की, तो उन्होंने कुछ भी कहने से साफ इंकार कर दिया। फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच शुरू कर दी है, लेकिन अब तक ना ही कोई गिरफ्तारी हो पाई है और ना ही पुलिस ने कोई रिपोर्ट पंजीकृत की है।

स्कूल के पास 'कटिंग दारू' की खुलेआम बिक्री

सुल्तानपुर। आबकारी विभाग की कथित मिलीभगत और नेताओं की पहुंच का नतीजा यह है कि लम्भुआ तहसील क्षेत्र में चल रहा देशी शराब का ठेका कानून को खुलेआम चुनौती दे रहा है। सातनपुर के नाम पर आवंटित ठेका पूरेबाघराय में संचालित है और यह प्राथमिक विद्यालय से महज 100-150 मीटर की दूरी पर है। जबकि नियमों के मुताबिक शैक्षणिक संस्थानों के पास शराब बिक्री प्रतिबंधित है। दुकान पर न तो खोलने-बंद करने का समय तय है, न ही कोई नियंत्रण। सुबह 6 बजे से लेकर जब मन हो, शटर उठाकर बिक्री शुरू कर दी जाती है। हालात इतने बेतरतीब हैं कि यहां 'कटिंग दारू' यानी क्वार्टर का भी क्वार्टर बेचकर खुलेआम शराबखोरी को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, कंधईपुर बाजार का यह ठेका सीधे एक माननीय के रिश्तेदार के नाम है, और दबंगई का आलम यह है कि यहां मिलावटी शराब बेची जाती है, विरोध करने वालों को पीटा जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि विभागीय अधिकारी सब जानते हैं।

विधानसभा में बेसिक शिक्षा मंत्री का एलान, प्रदेश में कोई भी स्कूल बंद नहीं कर रही है सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार कोई भी स्कूल बंद नहीं कर रही है। जिन स्कूलों का विलय किया गया है, उनका यू-डायस कोड बरकरार रहेगा। नई शिक्षा नीति में कक्षा एक में दाखिले के लिए छह वर्ष की आयु निर्धारित की गई है, लिहाजा विलय के दायरे में आए स्कूलों में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के सहयोग से प्ले ग्रुप खो जा रहे हैं। इससे कक्षा एक में जाने से पहले बच्चों को लिखना-पढ़ना सिखाया जा सकेगा।

बेसिक शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल में सपा सदस्य पंकज पटेल, अनिल प्रधान और प्रभु नारायण सिंह द्वारा छात्र-शिक्षक अनुपात को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 50 बच्चों की संख्या वाले स्कूलों में 2 शिक्षक और एक शिक्षा मित्र तैनात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने विलय व्यवस्था का राजनीतिकरण कर लोगों को गुमराह किया है, जबकि सच्चाई यह है कि सरकार ने शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों में कुल नामांकित छात्रों की संख्या लगभग 1.48 करोड़ से अधिक है।

परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की कुल संख्या 6.28 लाख से अधिक है। प्राथमिक विद्यालयों में 1,04,93389 बच्चे नामांकित हैं। इनको शिक्षा देने के लिए 3,38,590 शिक्षक और 1,43,450 शिक्षा मित्र नियुक्त हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 43,01,483 बच्चों को पढ़ाने के लिए 1,20,860 शिक्षक और 25,223 अनुदेशक तैनात हैं। प्राथमिक शिक्षा में 30:1 और उच्च प्राथमिक शिक्षा में 35:1 का अनुपात का अनुपालन हो रहा है।

उन्होंने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि 2017 से 2025 तक सरकार ने जितना काम किया, उतना किसी भी पूर्ववर्ती सरकार ने नहीं किया। इस वर्ष 27 लाख से अधिक बच्चों का नामांकन हुआ है। सपा सरकार के समय 3.45 करोड़ बच्चे शिक्षा से दूर थे, जबकि मौजूदा सरकार ने अभियान चलाकर बच्चों को घर से निकालकर स्कूल तक पहुंचाने का कार्य किया है। शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए मॉडल कंपोजिट विद्यालय बनाए जा रहे हैं। 30 करोड़ की लागत से प्रत्येक विद्यालय का निर्माण होगा और हर जिले में दो विद्यालय बनेंगे। योगी सरकार शिक्षा की गुणवत्ता को ऊंचाई तक ले जाने के लिए संकल्पित है।

50 से कम संख्या वाले स्कूलों का ही विलय

मंत्री ने बताया कि 1 किमी के दायरे और 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का ही विलय किया गया है। विलय हुए स्कूलों को संसाधनयुक्त विद्यालयों में समाहित किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर सुविधा और निकटतम स्कूल की पहुंच मिले। अब तक 3000 से अधिक विद्यालय आईसीडीएस के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं और इनके लिए 19,484 एसीसीई की संविदा पर नियुक्ति की जा चुकी है।

अवैध हक्का बार चलाते हये 14 अभियुक्त को गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कैसरबाग पुलिस ने अवैध हुक्काबार चलाकर हुक्का परोसने वाले 14 अभियुक्तो को मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कैसरबाग पुलिस के मुताबिक

(1) अकबर अली निवासी गेरांवा हैदरगढ जनपद बाराबंकी (2) यासिद खान निवासी शिवलोक त्रिवेणीनगर अलीगंज लखनऊ (3) रिजवान खान निवासी 538 (अ)/116 दीनदयाल नगर खदरा लखनऊ (4) शाह फैजल निवासी छठामील शेरपुर (5) मो0 असनैन निवासी रुसतमनगर सहादतगंज लखनऊ (6) मो० हारुन निवासी विकासदीप हुसैनगंज लखनऊ (7) अयान निवासी बैंसबाड़ा मऊ (8) दानिश निवासी करीमुद्दीनपुर जनपद मऊ (9) माज, निवासी घोसी जनपद मऊ (10) आरिफ हुसैन निवासी मेडिकल रोड शाहपुर जनपद गोरखपुर (11) मो0 जैद, घोसी जनपद मऊ (12) मो0 शाबान निवासी दीनदयाल नगर खदरा लखनऊ (13) मो० युसुफ निवासी तरन्नुम मार्केट खदरा मदेयगंज लखनऊ (14) शोयेब हैदर निवासी 390/69 दरगाह नजफ रोड़ सहादतगंज लखनऊ को मुखबिरखास की सूचना पर सिटी होटल पर स्थित कैफे टेल में थाना कैसरबाग लखनऊ पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

संक्षेप

गोसाईगंज कस्बे में भाजपा कार्यकर्ताओ ने निकाली तिरंगा यात्रा

लखनऊ। हर घर तिरंगा अभियान के तहत गोसाईगंज कस्बे में मगंलवार को भाजपा कार्यकर्ताओ ने स्कूली बच्चो संग तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में चेयरमैन गोसाईगंज निखिल मिश्रा व विधानसभा संयोजक शम्भू नाथ पांडे समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहें। हाथो में तिरंगा झंडा लेकर निकले कार्यकर्ताओ ने लोगो से अपने अपने घरो व दुकानो में तिरंगा झंडा लगाने की अपील की। यात्रा का समापन स्वतंत्रता सग्रांम सेनानी व पूर्व विधायक पंडित रामपाल त्रिवेदी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया है।

ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ने से पुलिस आरक्षी की मौत

लखनऊ। थाना मानकनगर से 112 सेवा में संबद्ध और वर्तमान में थाना रहीमाबाद अंतर्गत पीआरवी 4826 पर तैनात पुलिस आरक्षी दीपक कुमार (आरक्षी संख्या 8619) की मंगलवार सुबह तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मूल रूप से पीएनटी कॉलोनी, शाहगंज, जनपद आगरा निवासी दीपक कुमार अस्थायी रूप से कस्बा व थाना माल क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहे थे।मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह लगभग 7 बजे तबीयत खराब होने पर दीपक कुमार स्वयं इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) माल पहुंचे थे। वहीं पर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी की और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बीबीएयू में संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूर्ण होने पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के विधि विभाग में सोमवार को संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था – रसतत भविष्य के लिए युवा सशक्तिकरण: हरित कौशल को बढ़ावा देने में भारतीय संविधान की भूमिकार। यह आयोजन विधि विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुदर्शन वर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरणीय चेतना, सतत विकास की अवधारणा और संवैधानिक प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्रतिभागियों ने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों और निदेशक सिद्धांतों में निहित पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रावधानों पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, वृक्षारोपण और हरित प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर भी रचनात्मक और तर्कपूर्ण प्रस्तुतियां दीं।प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रतिभागियों की विषय की गहन समझ, मौलिकता, तर्कशक्ति और प्रस्तुति कौशल के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. खुशनुमा बानो, डॉ. शष्या मिश्रा सहित अन्य शिक्षक और विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लखनऊ मेट्रो फेज-1बी परियोजना को मिली केंद्रीय Cabinet की मंजूरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जताया आभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा रु 5,801 करोड़ की लागत से लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के फेज-1बी को स्वीकृति मिलने पर प्रधानमंत्री और केंद्रीय कैबिनेट का धन्यवाद अर्पित किया है। उन्होंने लखनऊ वासियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह मंजूरी उत्तर प्रदेश में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है। फेज-1बी की कुल लंबाई 11.165 किलोमीटर है, जिसमें सात भूमिगत और पांच एलिवेटेड स्टेशन शामिल हैं, जो राजधानी के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ेंगे।इस परियोजना के पूरा होने से न केवल शहर के यातायात की व्यवस्था और सुगमता बढ़ेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही पर्यटन और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे लखनऊ के विकास में तेजी आएगी।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ मेट्रो परियोजना शहर की तेजी से बढ़ती जनसंख्या और परिवहन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। यह परियोजना राजधानी को विश्वस्तरीय शहर बनाने में सहायक सिद्ध होगी और प्रदेश के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगी।इस स्वीकृति से लखनऊवासियों की उम्मीदें और भी प्रबल हुई हैं कि बेहतर और आधुनिक यातायात सुविधा उनके जीवन को और भी सरल और आरामदायक बनाएगी।

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की राज्य कार्यकारी समिति की बैठक सम्पन्न

लखनऊ। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अधीन प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन विभाग की अध्यक्षता में गत दिवस राज्य कार्यकारी समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन ने प्रदेश में रोजगार सृजन और अंतरराष्ट्रीय रोजगार की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय रोजगार राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी संदर्भ में इजराइल भेजे गए 5978 निर्माण श्रमिकों का उदाहरण देते हुए बताया कि इस कार्य की चर्चा प्रदेश और देश के साथ-साथ विदेशों में भी हो रही है।

परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक गौतम कुमार को निलंबित किया गया

लखनऊ। परिवहन निगम मुख्यालय, लखनऊ की ओर से जारी आदेश के अनुसार, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक श्री गौतम कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके कर्तव्यों के प्रति उदासीनता, डिपो संचालन में लगातार गिरावट, पर्यवेक्षण का अभाव तथा परिवहन मंत्री के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थिति जैसे गंभीर आरोपों के तहत की गई है।गत वर्ष के अप्रैल से जून 2024 की तुलना में डिपो के संचालन प्रतिफलों में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिसके बावजूद कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जाने और दैनिक समीक्षा नहीं करने के कारण निगम ने यह सख्त कदम उठाया है। इसके साथ ही, 8 अगस्त 2025 को माननीय परिवहन मंत्री द्वारा आलमबाग बस टर्मिनल निरीक्षण के दौरान भी गौतम कुमार अनुपस्थित पाए गए।निलंबन की अवधि के दौरान उन्हें आधे वेतन के बराबर जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, शहीद पथ, लखनऊ — नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, शहीद पथ, लखनऊ, अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, जिम्मेदार नेतृत्व, तकनीकी नवाचार और सतत प्रयासों के लिए आज एक मिसाल बन चुका है।

हाल ही में अर्जित की गई उपलब्धियों को साझा करने के लिए मंगलवार, 12 अगस्त को विद्यालय प्रांगण में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस अवसर पर सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष श्री शिशिर जयपुरिया ने नेतृत्व किया। उनके साथ स्कूल और आईटी निदेशक श्री हरीश संदुजा, प्रधानाचार्या सुश्री पूनम कोचिट्टी तथा उप- प्रधानाचार्य श्री पंकज राठौर उपस्थित रहे।

नेतृत्व टीम ने बताया कि मात्र 9 वर्षों के भीतर विद्यालय ने शहर के

अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में अपनी पहचान बनाई है और हाल ही में कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

विद्यालय को अपनी कार्यसंस्कृति, शिक्षक-अनुकूल वातावरण और विकास के अवसरों के लिए टी4 एजुकेशन द्वारा 'काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ स्कूल' के रूप में प्लेटिनम प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान लखनऊ में केवल इसी विद्यालय को प्राप्त हुआ है। टी4 एजुकेशन, जो 165 देशों के 2 लाख से अधिक शिक्षकों का

वैश्विक समुदाय है, ने विद्यालय को 95.2% के समग्र स्कोर और 81.8 के नेट प्रमोटर स्कोर के आधार पर यह रेटिंग प्रदान की।

इसके साथ ही, विद्यालय को क्यूएस आई-गेज द्वारा डायमंड रेटिंग भी प्राप्त हुई है। यह सम्मान पूरे लखनऊ में केवल इसी विद्यालय को मिला है। मूल्यांकन में शिक्षण और अधिगम, योग्यता विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व, संसाधन और सुविधाएँ, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, जीवन कौशल, व्यावसायिक विकास और कला एवं संस्कृति जैसे कई मानदंड शामिल थे। यह देश के केवल 17 विद्यालयों में से एक है, जिन्हें यह प्रतिष्ठित रेटिंग प्राप्त हुई है। पिछले 9 वर्षों में विद्यालय ने तकनीकी एकीकरण, मूल्य-आधारित शिक्षा और स्थिरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। यह लगातार कई वर्षों से माइक्रोसॉफ्ट शोकेस स्कूल के रूप में प्रमाणित है, राउंड स्क्वायर के लिए उम्मीदवार स्कूल है और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा स्थिरता के प्रति समर्पित विद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है। विद्यालय की विशेषताओं में से एक है इसकी सुबह की सभा, जहाँ विद्यार्थी सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर चर्चा और वाद-विवाद करते हैं।

शैक्षणिक क्षेत्र में भी विद्यालय ने उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं — वेदांशी तिवारी ने 2025 की कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में सिटी टॉपर का स्थान प्राप्त किया, जबकि विजेता सिंह 2024 में राष्ट्रीय सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा टॉपर रहीं। विद्यालय के छात्रों ने नृत्य, खेल, तकनीकी उत्सव और सौंदर्य प्रतियोगिता जैसे विविध क्षेत्रों में भी श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

अखिलेश यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि, भाजपा पर साधा निशाना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज रांची होते हुए रामगढ़ के निमरा पहुंचकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा उनके परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने श्रीमती रूपी सोरेन, विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन और परिवार के अन्य सदस्यों से भी भेंट की।रांची में मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि शिबू सोरेन ने आदिवासी समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए जीवनभर संघर्ष किया, नई पार्टी खड़ी की और झारखंड राज्य के निर्माण के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने उम्मीद

जताई कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस संघर्ष और विचारधारा की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।भाजपा पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा जनता से मतदान का अधिकार छीनने की कोशिश कर रही है और एसआईआर के बहाने बड़े पैमाने पर वोटों का हेरफेर करना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा अंग्रेजों से ली गई है, जो 'फूट डालो, राज करो' की नीति पर चलती है और हिंदू-मुसलमान के बीच नफरत फैलाकर सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती है।फतेहपुर में मकबरे पर तोड़फोड़ की घटना पर उन्होंने सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वीडियो में नजर आने वाले सभी लोगों को जेल भेजा जाए और कार्रवाई न करने वाले जिलाधिकारी व एसपी को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त है, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, विकास कार्य ठप हैं और भाजपा सरकार जनता का ध्यान भटकाने के लिए सौहार्द बिगाड़ने की साजिश कर रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि फतेहपुर जैसी घटनाएं भाजपा की कमजोर होती पकड़ का संकेत हैं। "जब-जब भाजपा की पोल खुलती है, तब-तब वे सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन जनता अब उनकी इन चालों को समझ चुकी है," उन्होंने कहा। साथ ही व्यंग्य करते हुए पूछा कि "देखना ये है कि इस घटना के दोषियों की शिनाख्त लखनऊ के ड्रोन करेंगे या दिल्ली वालों के ड्रोन।"

लखनऊ में होटल कर्मचारी की हत्या का खुलासा, पुलिस ने मुख्य आरोपी और साजिश में शामिल इनामी आरोपी गिरफ्तार किए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन और थाना चिनहट की संयुक्त सर्विलांस टीम ने एक महत्वपूर्ण मामले का सफल अनावरण करते हुए होटल इशान-इन के कर्मचारी दिवाकर यादव की हत्या के मुख्य आरोपी आकाश त्रिपाठी और उसकी साजिश में शामिल इनामी अभियुक्त सत्यप्रकाश यादव को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी से हत्या की साजिश का पर्दाफाश हुआ है और पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है।घटना 22 जुलाई 2025 को थाना चिनहट के प्रेमबाग कॉलोनी में हुई थी, जब होटल पार्टनर उदय के ममेरे भाई दिवाकर यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की उम्र लगभग 20 वर्ष थी और वह सुल्तानपुर के बलहरी गांव का निवासी था। पुलिस ने इस मामले में तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।थाना चिनहट के प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में गठित टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर फोरेंसिक टीम की सहायता से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान पता चला कि हत्या में शामिल आकाश त्रिपाठी और पुष्पा गौतम को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। इसके बाद हत्या में प्रयुक्त हथियार देने और षडयंत्र में शामिल इनामी अभियुक्त सत्यप्रकाश को भी गिरफ्तार कर लिया गया।सत्यप्रकाश यादव का अपराधिक इतिहास भी गंभीर है। वह पहले से हत्या, जानलेवा हमला और हथियार अधिनियम जैसे कई आपराधिक मामलों में लिप्त रहा है। उसकी गिरफ्तारी से पुलिस को हत्या की पूरी साजिश को समझने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने में मदद मिली है।

स्वतंत्रता दिवस–2025 के अवसर पर विधानसभा परिसर के आसपास यातायात व्यवस्था कड़ी की गई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025 के मौके पर विधानसभा परिसर में झण्डारोहण कार्यक्रम के दौरान यातायात के सुगम और सुरक्षित संचालन के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। 13 और 14 अगस्त को सुबह 9 बजे से रिहर्सल का आयोजन होगा, जबकि 15 अगस्त को सुबह 6 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक विधानसभा मार्ग और आस-पास के क्षेत्रों में यातायात एवं डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी।

झण्डारोहण के समय विधानसभा मार्ग पर रॉयल होटल (बापू भवन) चौराहा से लेकर हजरतगंज (अटल चौक) चौराहा तक यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। चारबाग की ओर से आने वाली रोडवेज सिटी बसें, कमर्शियल वाहन तथा बड़े वाहन विधानसभा मार्ग की ओर नहीं जा सकेंगे, बल्कि वे कैसरबाग, कैण्ट या हुसैनगंज चौराहों से होकर अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। इसी प्रकार, छोटी गाड़ियां भी हुसैनगंज चौराहा से विधानसभा मार्ग की ओर नहीं जा सकेंगी और वे कैसरबाग या सदर कैण्ट के रास्ते से जाएंगी।महानगर, निशातगंज और पीएनटी की ओर से आने वाले बसें तथा छोटे वाहन भी सिकंदरबाग, हजरतगंज, और अन्य आसपास के चौराहों से होकर डायवर्जन मार्गों के माध्यम से ही अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। सुभाष चौराहा से हजरतगंज और विधानसभा मार्ग की ओर भी सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा और वाहन वैकल्पिक मार्गों से ही निकास करेंगे।गोमतीनगर, अयोध्या रोड और आसपास के क्षेत्रों से आने वाला सामान्य यातायात, रोडवेज और सिटी बसें भी डायवर्जन के अनुसार लालबत्ती चौराहा और कैण्ट के रास्ते अपने गंतव्य को पहुंचेंगी।

15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्तर प्रदेश के 178 बंधुआ श्रमिक होंगे शामिल

लखनऊ। 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले से राष्ट्र को सम्बोधित करने वाले समारोह में उत्तर प्रदेश के 178 श्रमिक भी भाग लेंगे, जिन्हें बंधुआ श्रम की दयनीय परिस्थितियों से मुक्त कराया गया है। इनमें से 89 महिला श्रमिक भी शामिल हैं। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश शासन डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम ने बताया कि इस वर्ष विशेष रूप से 89 महिला श्रमिकों को, जो विभिन्न कार्यस्थलों से मुक्त कर पुनर्वासित की गई हैं, लाल किले पर आयोजित समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उनके साथ उनके पति या पिता भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। ये सभी श्रमिक 13 अगस्त की सुबह अलीगढ़, संभल, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर एवं बागपत जिलों से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

हर घर तिरंगा अभियान में लखनऊ में तिरंगा रैलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जन–जागरूकता अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर निगम लखनऊ ने शहर के विभिन्न वार्डों और जोनों में जन-जागरूकता, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रैलियों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति की भावना, तथा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों को प्रेरित करना रहा।जोन-01 के अमीरउद्दौला इस्लामिया इंटर कॉलेज में नगर निगम की आईईसी टीम ने विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसमें तिरंगे के महत्व, इतिहास और सम्मान की परंपराओं पर चर्चा हुई। विद्यालय के शिक्षक-कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण कराया। इसी जोन के खालसा इंटर कॉलेज, चारबाग में 300 से अधिक छात्रों ने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ संदेश देते हुए तिरंगा रैली निकाली और "Say No to Plastic" व "भारत माता की जय" के नारे लगाए।जोन-07 स्थित अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज में 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने रैली में भाग लिया, जिसमें 'लखनऊ बनेगा नं. 1' और 'भारत माता की जय' के नारों से वातावरण गूंज उठा। जोन-05 के सरोजिनी नगर द्वितीय वार्ड के JBR पब्लिक इंटर कॉलेज में भी बच्चों ने तिरंगा रैली निकालकर पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बनाया।स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर चौक काली जी वार्ड के लाजपत नगर उच्च प्राथमिक विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध और तिरंगा प्रतियोगिता आयोजित हुईं, जिनमें बच्चों ने देशभक्ति गीत, कविताएं और नृत्य प्रस्तुत किए। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।सभी आयोजनों का समापन सामूहिक शपथ के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता का संकल्प लिया। नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि हर घर तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का उत्सव नहीं, बल्कि नागरिक जिम्मेदारियों, पर्यावरण संरक्षण और शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के संकल्प का प्रतीक है। आने वाले दिनों में ऐसे कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे।

भारत की नई बुलंद तस्वीर : 'झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए !'

दुनिया के आर्थिक और सैन्य मंच पर तेजी से कद्दावर बन चुके गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस को साधकर नम्बर वन अमेरिका और नम्बर टू चीन को रणनीतिक मुश्किल में डालते हुए भींगी बिल्ली बना दिया है। इससे समकालीन विश्व के जी-7, नाटो, जी--20, ब्रिक्स और एससीओ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में ग्लोबल साउथ की पूछ-परख बढ़ गई है, क्योंकि इनका अगुवा अब भारत बन चुका है। जानकार बताते हैं कि अमेरिकी दांवपेंचों और चीनी पैंतरों से आजिज आ चुके इन ग्लोबल साउथ के देशों को भारत की सदाशयी नीतियों से जो नीतिगत राहत और वैश्विक सहयोग मिला है, वह इनकी प्राथमिक जरूरत भी है। चूंकि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत सबसे तेज़ इकॉनमी बन चुका है, मजबूत सैन्य ताकत के रूप में छा चुका है, इसलिए भारत की मुखालफत दुनियावी थानेदारों को भी भारी पड़ सकती है। यह ठीक है कि सीजफायर और टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों-आरोपों का भारत ने अभी तक जो भी जवाब दिया, उसमें भाषा विनम्र और सांकेतिक रखी गई। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गत दिनों जो ठोक-पीटकर जोशीला राजपूती बयान दिया है, इसके कूटनीतिक और राजनीतिक मायने में बिल्कुल अलग और अहम हैं। ऐसा इसलिए कि ट्रंप का नाम भी उन्होंने नहीं लिया, लेकिन इस बार जवाब ज्यादा सख्त था।

रक्षा मंत्री सिंह के तल्खी भरे बयान यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब भारत अपने राष्ट्रीय, मित्रगत और पड़ोसी हितों से कोई समझौता नही करेगा और जो इस रास्ते में अड़चनें पैदा करने की कोशिश करेगा, या वैसी ताकतों को शह देगा, उससे सख्ती पूर्वक ही निपटा जाएगा। इस बार सीजफायर वाली हड़बड़ाहट भी नहीं दिखाई जाएगी। इसलिए अब कोई भी बातचीत बराबरी के स्तर पर ही होनी चाहिए। वो भी अमेरिका-चीन जैसे देशों के साथ अनिवार्य तौर पर। लिहाजा, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने ठीक ही कहा है कि नया भारत शेर की तरह दहाड़ता है। शक्तिशाली नेताओं की आंखों में देखकर बात करता है। उल्लेखनीय है कि भारत के साथ अपने मनमाफिक डील करने में नाकाम रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत की इकॉनमी को ही 'डेड' बताया था। इसलिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनकी इसी निकृष्ट मानसिकता का दबंग अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे दबंग और गतिशील अर्थव्यवस्था करार दिया। जबकि 'सबके बॉस तो हम है' का भाव रखने वाले कुछ देशों को भारत का तेजी से विकास रास नहीं आ रहा है। समझा जाता है कि भारत से होने वाले आयात पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैक्स लगाए जाने के बाद उनका यह बयान सामने आया है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि ऐसी कोशिश की जा रही है कि हमारी चीजें बाहर महंगी हो जाएं। फिर भी कोई ताकत दुनिया की बड़ी शक्ति बनने से भारत को नहीं रोक सकती है। तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था अगर किसी देश की है तो वह हमारे भारत की है। अब भारत 24000 करोड़ का रक्षा उत्पाद दुनिया को निर्यात कर रहा है। अब हमने भी ठान लिया है कि आतंकियों को उनके धर्म देखकर नहीं, बल्कि उनका कर्म देखकर मारेंगे। जो हमें छेड़ेगा, उसे छोड़ेंगे नहीं।

यह महज संयोग नहीं कि रविवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश की अर्थव्यवस्था पर बात की और भारत की अर्थव्यवस्था के तेज रफ्तार के बारे में संकेत देते हुए साफ कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से हासिल की गई है। पिछले 11 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर पहले शीर्ष पांच में पहुंच गई है और अब तेजी से शीर्ष चार से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधने के कुछ दिन बाद पीएम की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम ने यहां तक कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे भारतीय टेक्नॉलजी और मेक इन इंडिया का हाथ था। उसने कुछ ही घण्टों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते ही भारत की जीडीपी ग्रोथ का 2025-26 के लिए अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा, जबकि दुनिया की बाकी इकॉनमी की ग्रोथ के लिए यह अनुमान तकरीबन 3 फीसदी ही है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के डेटा बताते हैं कि 2024 में भारत ने ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान दिया और अगले 5 साल में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इस तरह से कोरोना महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने सबसे शानदार रिकवरी की और दुनियावी युद्धों व वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी वह बढ़त बनाए हुए है।

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की धमकी और भारतीय सेनाध्यक्ष के बयान ने दुनिया को कई बड़े संदेश दिये हैं

असीम मुनीर ने The Economist को दिए साक्षात्कार और अमेरिकी धरती पर दिए बयानों में साफ कहा— "हम पूर्व से शुरू करेंगे।"

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया में सामरिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। एक ओर पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के ताज़ा बयान ने भारत के पूर्वी मोर्चे पर संभावित खतरे का संकेत दिया है तो दूसरी ओर भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आने वाले युद्ध को केवल सैनिकों का नहीं, बल्कि पूरे देश का युद्ध बताया है। दोनों बयान यह स्पष्ट कर रहे हैं अगला टकराव पारंपरिक सीमाओं से परे होगा, यह सैन्य शक्ति, तकनीक, सूचना युद्ध और जन-भागीदारी का सम्मिलित परीक्षण होगा।

हम आपको बता दें कि असीम मुनीर ने The Economist को दिए साक्षात्कार और अमेरिकी धरती पर दिए बयानों में साफ कहा— "हम पूर्व से शुरू करेंगे।" यह बयान भारत-बांग्लादेश गलियारे की ओर इशारा करता है, जहाँ हालिया राजनीतिक बदलावों के बाद ढाका का रुख पाकिस्तान के प्रति कुछ नरम दिख रहा है। यहां पुराने इस्लामी नेटवर्क और आतंकी चैनलों के फिर से सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा, मुनीर ने न केवल पूर्वी मोर्चे पर रणनीतिक वार की बात की, बल्कि जल युद्ध की धमकी देते हुए कहा, "भारत बांध बनाए और हम उसे दस मिसाइलों से उड़ा देंगे।" साथ ही, परमाणु हमले की अप्रत्यक्ष चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पाकिस्तान पर अस्तित्व का संकट आया, तो "हम आधी दुनिया को अपने साथ ले डूबेंगे।"

मुनीर के ये बयान उस समय आए हैं जब पाकिस्तान-अमेरिका रिश्तों में सुधार देखने को मिला है। अमेरिकी सेंटकॉम के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात और पाकिस्तान को फिर से अमेरिकी रणनीतिक मानचित्र में लाने का दावा, मुनीर के आत्मविश्वास को बढ़ा रहा है। महीने भर में दो बार अमेरिका की यात्रा करने के बाद मुनीर जिस तरह परमाणु धमकियां दे रहे हैं और भारत के साथ आधी दुनिया को लेकर डूबने की बात कह रहे हैं उससे अमेरिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

देखा जाये तो पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर का अमेरिका की धरती से भारत को सीधी परमाणु धमकी देना केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी गंभीर संकेत है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को भारत-पाकिस्तान के बीच "शांति दूत" के रूप में प्रस्तुत कर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नैतिक आधार तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। मुनीर ने न केवल "यदि हमारे अस्तित्व पर खतरा हुआ तो हम आधी दुनिया को ले डूबेंगे" जैसी उत्तेजक भाषा का प्रयोग किया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी जिम्मेदार परमाणु शक्ति की तरह व्यवहार करने को तैयार नहीं है। ऐसे में ट्रंप के 'शांति दूत' होने का दावा हास्यास्पद प्रतीत होता है, क्योंकि उनके देश में खड़े होकर ही पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य नेता ने परमाणु युद्ध की धमकी दी।

यह स्थिति अमेरिका की कूटनीतिक साख पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन अपने मेहमानों के कट्टर और आक्रामक भाषणों को महज "राजनीतिक बयानबाज़ी" मानकर अनदेखा करता रहेगा? और क्या दुनिया ऐसे "शांति प्रयासों" को गंभीरता से लेगी, जिनके बीच ही परमाणु युद्ध की आशंका का सार्वजनिक प्रसारण हो रहा हो? मुनीर का यह बयान एक बार फिर याद दिलाता है कि पाकिस्तान की नीति में परमाणु हथियार सिर्फ रक्षा का साधन नहीं, बल्कि राजनीतिक और सामरिक दबाव का हथियार हैं— और यही वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसके अलावा, असीम मुनीर का अमेरिका में खड़े होकर भारत को परमाणु धमकी देना केवल सैन्य या कूटनीतिक बयान नहीं, बल्कि इसके पीछे एक गहरी आर्थिक मंशा भी झलकती है। पाकिस्तान की यह पुरानी रणनीति रही है कि जब भी उसकी आर्थिक हालत चरमरा जाती है, वह भारत के साथ तनाव बढ़ाकर और परमाणु युद्ध की आशंका पैदा करके वैश्विक वित्तीय संस्थाओं और दाता देशों पर दबाव बनाता है। इस बार भी यही पैटर्न दिखाई देता है— अंतरराष्ट्रीय मंच पर परमाणु धमकी देकर पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष रूप से विश्व बैंक, आईएमएफ और अन्य वित्तीय एजेंसियों को यह संदेश दिया कि अगर उसके भुगतान रोके गए तो दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। यह "न्यूक्लियर ब्लैकमेल" की रणनीति पाकिस्तान दशकों से अपनाता आ रहा है और कई बार उसे आपातकालीन वित्तीय पैकेज भी इसी दबाव के चलते मिल चुके हैं।

समस्या यह है कि वैश्विक संस्थाएँ पाकिस्तान की इस रणनीति को भलीभांति जानती हैं, फिर भी क्षेत्रीय अस्थिरता के डर से उसके आगे झुक जाती हैं। यह प्रवृत्ति न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून और जिम्मेदार परमाणु आचरण के खिलाफ है, बल्कि इससे पाकिस्तान को यह गलत संदेश भी जाता है कि वह धमकी की राजनीति से आर्थिक लाभ उठाता रह सकता है। वास्तव में, यदि दुनिया सचमुच दक्षिण एशिया में स्थिरता चाहती है तो उसे इस तरह की परमाणु धमकियों को पुरस्कृत करने की बजाय इन पर कड़े आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंध लगाने की नीति अपनानी होगी। दूसरी ओर, भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने IIT मद्रास में स्पष्ट शब्दों में कहा— "अगला युद्ध निकट हो सकता है और हमें इसकी तैयारी अभी करनी होगी।" उन्होंने 'Whole-of-Nation' दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हुए कहा कि इस बार लड़ाई सिर्फ सीमाओं पर तैनात सैनिक नहीं लड़ेंगे; नागरिक तैयारी, तकनीकी श्रेष्ठता और सूचना प्रबंधन उतने ही निर्णायक होंगे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण दिया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पीओके में सटीक हमले किए गए। इस अभियान में तकनीक, सामरिक संदेश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नैरेटिव सेट करने का संयोजन किया गया। पाकिस्तान के भीतर जहाँ इसे जीत के रूप में पेश किया गया, वहीं भारत ने "Justice Done" संदेश के साथ वैश्विक स्तर पर समर्थन हासिल किया। इस संदेश को महिला अधिकारियों की प्रेस ब्रीफिंग और विशेष ऑपरेशन लोगो जैसे प्रतीकों से और मज़बूत किया गया।

देखा जाये तो यह साफ है कि पाकिस्तान की धमकियों में केवल सैन्य टकराव का इशारा नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सूचना युद्ध का भी संकेत है। मुनीर का 'पूर्व से शुरू' करने का दावा भारत की बहु-मोर्चीय सुरक्षा चुनौतियों को रेखांकित करता है, जहाँ चीन-पाकिस्तान की सामरिक साझेदारी, बांग्लादेश की राजनीतिक दिशा और आतंकी नेटवर्क एक साथ सक्रिय हो सकते हैं। वहीं, भारत की 'पूरे राष्ट्र' वाली रक्षा अवधारणा, केवल पारंपरिक हथियारों पर निर्भर रहने की बजाय, तकनीक, नागरिक सुरक्षा ढांचे और सामूहिक संकल्प को भी युद्ध के निर्णायक तत्व मान रही है।

बहरहाल, मुनीर के बयानों और जनरल द्विवेदी की चेतावनी में एक साझा संदेश छिपा है— अगला संघर्ष बहु-आयामी होगा। यह पूर्वी और पश्चिमी मोर्चों से लेकर सूचना और साइबर स्पेस तक फैला होगा। भारत के लिए यह समय केवल सैन्य तैयारी का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकजुटता, तकनीकी नवाचार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को एक साथ साधने का है। क्योंकि इस बार, खतरा न सीमा जानता है, न पारंपरिक युद्ध के नियम।

अजब-गजब

'बिना कॉलेज के नॉलेज !' फर्राटे से बोली कई विदेशी भाषाएं, अनपढ़ लड़के की बातें सुन चौंका टूरिस्ट !

भारतीय लोग कितने होशियार होते हैं, इसके बारे में आपको बताने की जरूरत नहीं है। अपने आसपास नजर घुमाकर देख लीजिए, आपको कई ऐसे लोग मिल जाएंगे जिनके ज्ञान को देखकर हर कोई हैरान हो जाता है। हाल ही में एक विदेशी शख्स राजस्थान घूमने पहुंचा, वहां उसे एक भारतीय लड़का मिला जो बंजारा था। जैसे ही दोनों की बातें होने लगीं, वो सुनकर विदेशी हैरान हो गया क्योंकि लड़का ने बताया कि वो कभी स्कूल-कॉलेज नहीं गया, वो अनपढ़ है मगर वो फर्राटे से विदेशी भाषाएं बोल रहा था।

इंस्टाग्राम यूजर जे एक विदेशी कंटेंट क्रिएटर हैं जो फिलहाल भारत में हैं। वो भारत के आम नागरिकों से मिलते हैं और उनकी जिंदगी के बारे में जानने की कोशिश करते हैं। उनका एक वीडियो हाल ही में पोस्ट किया गया है जो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वो राजस्थान के पुष्कर में हैं। वहां उन्हें एक लड़का मिलता है जो अपना नाम लाला बताता है। लड़का खुद उनके पास आकर अंग्रेजी में पूछता है कि क्या वो वीडियो बना रहे हैं? लड़के को देखकर कोई नहीं कह सकता कि वो पढ़ा-लिखा या अच्छे घर का है। वो अपने पहनावे से निम्न वर्ग का लग रहा है।

लड़का खुद बताता है कि वो बंजारा है और शहर के बाहर रहता है। वो कभी स्कूल-कॉलेज नहीं गया। वो शहर के टूरिस्ट स्पॉट अक्सर आता है और वहीं पर विदेशियों से बातें करते-करते उसे भाषा का इतना ज्ञान हो गया कि वो अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पैनिशन भाषा भी बोल लेता है। फिर वो विदेशी शख्स से अलग-अलग भाषाओं में बात करता है जिसे सुनकर वो भी दंग रह जाता है।

इस वीडियो को 90 लाख व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि ये शख्स पूरे पाकिस्तान को अंग्रेजी सिखा सकता है। वहीं एक ने कहा- ये बिना कॉलेज के नॉलेज है। वहीं एक ने कहा कि शख्स ने पूरे एजुकेशन सिस्टम की धज्जियां उड़ा दीं। एक ने कहा कि उसे देखकर शर्म आ रही है कि वो नहीं बोल सकता जबकि लाला 3 भाषाएं बोल सकता है।

ब्लॉग

सार्वजनिक मार्केट प्लेस की पारदर्शी दशक यात्रा

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है।

नौ अगस्त की तारीख हमारे इतिहास में अगस्त क्रांति के लिए प्रसिद्ध है। भारत से अंग्रेजी राज को उखाड़ फेंकने वाले निर्णायक 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरूआत इसी दिन हुई। यह तारीख इतिहास में एक और वजह से भी महत्वपूर्ण बन गई है। इसी दिन साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक और सरकारी खरीद में पारदर्शिता की शुरूआत के लिए सरकारी मार्केट प्लेस यानी बाजार की शुरूआत जीईएम यानी गवर्नमेंट इलेक्ट्रॉनिक मार्केट प्लेस शुरू किया। जीईएम का मूल मंत्र है, पारदर्शी, समावेशी और कुशल शासन की आधारशिला। इस ऑनलाइन सार्वजनिक और पारदर्शी बाजार ने नौ साल की आधिकारिक यात्रा पूरी कर ली है और एक दशक की यात्रा के लिए आगे बढ़ चुका है।

प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में इस पोर्टल पर महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, मध्यम और लघु उद्योग, शिल्पकारों, स्थानीय कारीगरों और दिव्यांगजनों समेत पूरे देश के विक्रेताओं और सेवाप्रदाताओं के सशक्तीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस पोर्टल या ऑनलाइन बाजार पर विक्रेताओं के लिए जमानती राशि रखने का प्रावधान है। लेकिन अब इस प्रावधान को खत्म कर दिया गया है। मिहिर कुमार के अनुसार, इसकी वजह से विशेषकर छोटे निर्माताओं और कारोबारियों को ज्यादा फायदा होना है।

सार्वजनिक और सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। इसी भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और समावेशी ऑनलाइन मार्केट की अवधारणा प्रस्तुत की थी। जीईएम उसी अवधारणा का विस्तार है। इसके कामकाज शुरू करने के बाद केंद्र सरकार के सभी दफ्तरों के लिए इसी पोर्टल के जरिए खरीद अनिवार्य कर दिया गया। अब जीईएम प्रबंधन का जोर राज्य सरकारों की खरीद को भी इसी के जरिए जरूरी बनाने पर है। अपने दसवें साल में राज्यों पर फोकस करने की दिशा में जीईएम प्रबंधन ने तैयारी की है। जीईएम को उम्मीद है कि उनके जरिए हो रही सार्वजनिक खरीद में जिस तरह सार्वजनिक क्षेत्र को बचत हो रही है, उसकी वजह से राज्य सरकारें भी इसकी ओर आकर्षित होंगी। वैसे राज्यों की ओर से इसके जरिए खरीद होने भी लगी है। हालांकि उसकी मात्रा अभी कम है। जीईएम के जरिए होने वाली खरीद में अब तक एनटीपीसी को जहां करीब दो हजार करोड़ की बचत हुई है, वहीं बैंक ऑफ बड़ोदा को 34 करोड़। इसी तरह भारतीय नौसेना ने भी पंद्रह करोड़ की बचत की है। जीईएम के अधिकारी तो इसे स्वीकार नहीं करते, लेकिन जाहिर है कि यह बचत जहां खरीद में घपले की कमी से हुई है, वहीं सार्वजनिक मार्केट प्लेस पर उपलब्ध ढेरों और गुणवत्तापूर्ण सामानों में मूल्यों को लेकर हुई प्रतिद्वंद्विता की वजह से हुई है।

जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार के अनुसार, इस ऑनलाइन मार्केट प्लेस ने सिर्फ खुद के दम पर साल 2024-25 में 5.4 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यापारिक मूल्य सार्वजनिक खरीद को न केवल सुव्यवस्थित किया है, बल्कि शासन में पहुंच, समानता और सशक्तीकरण को फिर से पारिभाषित किया है।

जीईएम ने अपने स्थापना के दसवें वर्ष का सूत्र वाक्य, सुगमता, पहुंच और समावेशन विषयों पर केन्द्रित किया है। मिहिर कुमार का कहना है कि उसका यह सूत्र वाक्य सार्वजनिक खरीद को अधिक सुलभ और न्यायसंगत बनाने की दिशा में उनके संगठन की प्रतिबद्धता और पारदर्शी कामकाज को प्रदर्शित करता है। मिहिर कुमार यह भी कहते हैं कि वैसे तो ऑनलाइन खरीद के कई पोर्टल हैं। लेकिन वे सभी कारोबारी पोर्टल हैं, जबकि जीईएम मार्केट प्लेस है। वह खुद कारोबार नहीं करता, बल्कि पारदर्शी कारोबार का मंच उपलब्ध कराता है। जिसमें खरीददार और विक्रेता, दोनों का फायदा है।

जीईएम की कामयाबी ही कही जाएगी कि इसके जरिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा खरीदादारी हो चुकी है। जिनके जरिए 4.81 लाख करोड़ की खरीददारी हुई है। इस मार्केट प्लेस पर मौजूदा वित्त वर्ष में 11हजार से ज्यादा प्रोडक्ट, 344 से ज्यादा सर्विस श्रेणी, 20 लाख से ज्यादा ऑर्डर मिल चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पोर्टल पर सबकुछ ऑटोमेशन में सॉफ्टवेयर संचालित है, कोई मैनुअल हस्तक्षेप नहीं है। हालांकि जीईएम के अधिकारी मानते हैं कि इसमें और सुधार की गुंजाइश है और वह लगातार होती रहेगी। ताकि खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बरकरार रहे। यह ठीक है कि अब विक्रेताओं के लिए जमानती राशि की व्यवस्था खत्म कर दी गई है। इसके साथ ही जीईएम ने कई और सुधार शुरू किये हैं। इसमें विक्रेता के मूल्यांकन शुल्क को तार्किक बनाना और लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कमी करना भी सामिल है। वेंडर चार्ज भी पहले की तुलना में 68 प्रतिशत से लेकर 92 प्रतिशत तक कम किए जा चुके हैं। इन सबकी वजह से यहां मिलने वाले 97 प्रतिशत ऑर्डरों को छूट मिल गई है। मिहिर कुमार कहते हैं कि उनकी कोशिश, विक्रेताओं को सशक्त बनाना, मध्यम और लघु उद्योगो बढ़ावा देने की है। इस दिशा में पहली बार विक्रेताओं और छोटे उद्यमों के लिए मजबूत सहायता द्वारा समर्थन दिया जा रहा है।

जीईएम की कोशिश ना सिर्फ बड़े, बल्कि दूर-दराज के इलाकों में स्थित कारीगरों, निर्माताओं, उद्यमियों और कारोबारियों को समावेशी मंच उपलब्ध कराना भी है। जीईएम के अधिकारी कहते हैं कि उनका ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि आदिवासी कारीगरों से लेकर तकनीक-संचालित स्टार्टअप तक हर उद्यम तक सार्वजनिक खरीद के अवसरों आसानी से पहुंच सकें। इस दिशा में इसके दिल्ली मुख्यालय में छह अगस्त को जीईएम विक्रेता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जीईएम के मंच पर देश के हर वर्ग के उद्यमियों, कारोबारियों और निर्माताओं को साथ लाने की कोशिश हुई।

कागज रहित, वास्तविक समय के लेन-देन को सक्षम बनाने से लेकर स्वास्थ्य, खनन और बीमा में करोड़ों रुपये के अनुबंधों को सुगम बनाने तक, जीईएम ने नीति निर्माण और जमीनी स्तर की भागीदारी के बीच की खाई को पाटने की सफल कोशिश की है। दसवें वर्ष में दाखिल होते हुए इसके अधिकारियों ने अनूठी शपथ ली है। उनका कहना है कि वे सार्वजनिक खरीद को नागरिक-केंद्रित, डेटा-संचालित और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि सार्वजनिक खरीद में इन विशेषताओं के बावजूद कुछ अतिरिक्त की चाहत रखने वाले भ्रष्टाचारी तत्व अब भी कुछ ना कुछ राह निकाल लेते हैं। जिस पर काबू पाने के लिए जीईएम के इंजीनियर लगातार सक्रिय रहते हैं। फिर भी उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने एक दशक की यात्रा में यह सार्वजनिक ऑनलाइन बाजार पारदर्शिता की नई मिसाल कायम करेगा। इस संदर्भ में जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार के इन शब्दों को देखा-परखा जा सकता है। वे कहते हैं, ₹पारदर्शिता को परिवर्तन के साथ जोड़ते हुए, GeM भारत के खरीद परिदृश्य की रीढ़ बन गया है। यह 9वाँ स्थापना दिवस केवल संख्याओं का नहीं, बल्कि उन लोगों का उत्सव है, जो शासन को अधिक सुलभ, समावेशी और प्रभावशाली बनाते हैं।"

जमीन कब्जा, ब्लैकमेलिंग और प्रमोशन के लिए दरबार में हाजिरी... 12 सालों तक कानपुर में चला अखिलेश दुबे का 'राज'; अधिकारी भी करते थे जी हुजूरी

पुलिसकर्मी और अफसर लगाते थे हाजिरी

2002 से 2005 के बीच अखिलेश दुबे कानपुर का पुलिस कप्तान भी रह चुका था। उसकी पहुंच इतनी थी कि कमिश्नरेट पुलिसिंग लागू होने तक उसका प्रभाव जारी रहा। कई पुलिसकर्मी और अफसर उसके दरबार में हाजिरी लगाते थे। ऐसे में शहर के कई बड़े कारोबारी भी उससे दहशत में रहते थे। हाल ही में भाजपा नेता की शिकायत पर अखिलेश दुबे को गिरफ्तार किया गया।

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के मशहूर वकील अखिलेश दुबे को गिरफ्तार कर लिया गया था। अब उसका वह चेहरा सामने आ गया है, जो पुलिस और अपराधियों के करीबी गठजोड़ को उजागर करता है। आरोप है कि उसने 12 सालों तक कानपुर में 'राज' किया। अखिलेश दुबे ने इन 12 सालों में अपनी पुलिस से नजदीकियों और दबदबे का इस्तेमाल कर शहर में कई गैरकानूनी कामों को अंजाम दिया।

उस पर लोगों की जमीन पर कब्जा करने, महिलाओं के जरिए ब्लैकमेलिंग, फर्जी मुकदमे दर्ज करवाना और उससे करोड़ों की वसूली करने, वक्फ की जमीनों पर अवैध कब्जा करने जैसे कई आरोप लगे हैं। यहां तक की पुलिस की पोस्टिंग-जॉइनिंग से लेकर प्रमोशन तक के लिए बड़े-बड़े अफसर इसके दरबार में हाजिरी लगाने आते थे। अखिलेश दुबे के साकेत नगर स्थित दरबार में सुबह से शाम तक कानपुर और आसपास जिलों के पुलिस अधिकारी से लेकर नेता तक आते-जाते थे। यानी शहर के बड़े-बड़े मामले इसी के ऑफिस में सेट होते थे।

जांच के लिए एसआईटी का गठन किया

गिरफ्तारी के बाद 5 दिन में 5 अलग-अलग लोगों ने उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए। इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया। कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार बिना किसी दबाव एसआईटी को जल्द से जल्द जांच करने के आदेश दे चुके हैं। एसआईटी सदस्य और पुलिस अधिकारी अंजलि विश्वकर्मा ने बताया कि अखिलेश के करीबी पुलिसकर्मियों पर भी निगरानी रखी जा रही है और दोषी पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

इसके साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि अखिलेश दुबे के करीबी फरार हैं और उनके फोन स्विच ऑफ हैं। बताया जा रहा है कि अखिलेश दुबे की गिरफ्तारी के बाद भी उसके गुर्गे एक्टिव हैं। भाजपा नेता रवि सतीजा ने अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। कानपुर पुलिस का मानना है कि अखिलेश दुबे पर कार्रवाई के बाद लोगों की दहशत कम हुई है और अब पीड़ित आगे आकर शिकायत कर रहे हैं।

स्कूली छात्र छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

मीरजापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में साइबर जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को डैफोडिल पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के खतरों और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

स्कूली छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के बारें में जैसे- ऑनलाइन ठगी, ऑनलाइन गेमिंग, हनी ट्रैप, सोशल मीडिया हैकिंग, फिशिंग, अनजान लिंक्स न खोलने और डेटा चोरी, सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार और व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता बनाए रखने, ओटीपी, बैंक खाता विवरण या निजी जानकारी, एटीएम कार्ड नम्बर, सीवीवी नम्बर इत्यादि किसी के साथ साझा न करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। साथ ही साथ सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्म-इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप्प, एक्स इत्यादि के बारें में तथा उनके सुरक्षित उपयोग के बारें में जानकारी दी गयी।

'कुछ देखने की इजाजत नहीं है...' बांदा के स्कूल में टीचर की डांस रील वायरल, कलेक्टर तक पहुंची बात तो दी ये सफाई

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में एक शिक्षिका का नौकरी के दौरान स्कूल में डांस और गाना गाते हुए वीडियो वायरल हुआ, जिसकी सफाई देने स्वयं शिक्षिका यामिनी कौशल जिला कलेक्टर बांदा के दरबार में जा धमकी। उनसे सफाई देते हुए एक प्रार्थना पत्र पेश किया। शिक्षिका बांदा के कस्तूरबा गांधी स्कूल में पढ़ाती है। स्कूल के समय में छात्राओं के सामने शिक्षिका का फिल्मी गाने, 'कुछ देखने की इजाजत नहीं है तुम्ही तुम निगाहों में हो', पर रील बनाते हुए वीडियो वायरल हुआ।

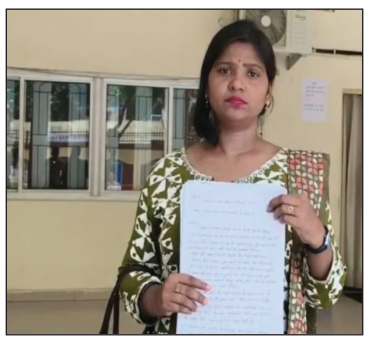

इस पर शिक्षिका ने अपनी सफाई पेश करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय में मीडिया के माध्यम से अपना पक्ष रखा है। उसने कहा कि मेरे खिलाफ साजिश रची गई है। स्कूल में छात्राओं को डांस सिखाने के लिए मेरे द्वारा वीडियो बनाया गया था, लेकिन उस वीडियो को स्कूल की वार्डन ने मेरे फोन से वायरल किया। मेरे डांस का वीडियो मुझे बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया में वायरल किया गया है।

शिक्षिका ने वीडियो के संबंध में मांगी माफी

शिक्षिका ने वायरल वीडियो पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि मैं शिक्षा विभाग के शिक्षक पद पर कार्यरत है। मैंने कोई ऐसा कार्य नहीं किया, जिससे आम-जनमानस और मेरे पेशे पर कोई सवालिया निशान लगे, लेकिन इसके बावजूद भी अगर किसी को बुरा लगा है तो मैं हाथ जोड़कर सभी से उस वीडियो के संबंध में माफी मांगती हूं।

शिक्षिका ने खुद को बताया निर्दोष

स्कूल की शिक्षिका ने मीडिया से भी बातचीत की और अपनी सफाई दी। अपनी सफाई में शिक्षिका ने अपने आप को निर्दोष बताते हुए कहा कि मैं स्कूल की अनियमितताओं को उजागर न कर सकूं, सिर्फ इसके लिए मेरे खिलाफ वार्डन ने षड्यंत्र रचा है। वार्डन ने सरकारी खाद्य सामग्री और बच्चों के लिए जरूर की चीजों में काफी घोटाला किया है।

वहीं बताते चलें कि वायरल वीडियो का संज्ञान बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने लिया है। वायरल वीडियो की जांच पड़ताल की जा रही है। इसके लिए एक टीम बनाई गई है। टीम सभी बिंदुओं की जांच करके एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट देगी।

दो मादक तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से 4 किलो 199 ग्राम गांजा बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा जनपद में मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना बदोसराय पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तगण राजन सिंह पुत्र अनिल सिंह निवासी ग्राम देवीदासपुर पोस्ट इब्राहिमपुर थाना हुजुरपुर जनपद बहराइच, सत्यम सिंह उर्फ सतेन्द्र सिंह पुत्र रामू सिंह निवासी मढवलिया पोस्ट प्यारेपुर थाना कैसरगंज जनपद बहराइच को मकरामऊ रोड ग्राम टिकरी से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से 4 किलो 199 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर मु0अ0सं0 206/2025 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट पंजीकृत किया गया।

'अरे डीएम ही तो है, भगवान थोड़ी है...'

कानपुर में एक और ऑडियो कांड, सीएमओ के बाद इस अधिकारी की बातें वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर में कुछ समय पहले एक कथित तौर पर ऑडियो कांड वायरल हुआ था। इसमें सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी डीएम के बारे में अपशब्द बोल रहे थे। यह ऑडियो बहुत वायरल हुआ था। इसको लेकर बखेड़ा भी खड़ा हो गया था। हालांकि तब सीएमओ ने ऑडियो में अपनी आवाज होने से इंकार भी किया था। वहीं अब शहर में एक और ऑडियो वायरल हुआ है।

ये आडियो कथित तौर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह का बताया जा रहा है। हालांकि शिल्पी सिंह ने ऑडियो में अपनी आवाज होने से इनकार किया है। वायरल ऑडियो में महिला डीएम के बारे में अपशब्द का प्रयोग कर रही है। वायरल ऑडियो में महिला कह रही है, "अरे डीएम ही तो है कोई भगवान थोड़ी ना है। यहां सभी पढ़ाई करके आए हैं।"

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने क्या कहा?

इस सम्बन्ध में जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह जून में एक मामले में दोषी पाई गईं थी। छात्रवृत्ति मामले में गड़बड़ी को लेकर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने इस मामले में संज्ञान लिया था। इस सम्बन्ध में जांच भी की गई थी और निदेशालय को कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा गया था। जांच एसीएम 3 ने की, जिसमें शिल्पी सिंह और एक पटल बाबू दोषी पाए गए थे। वायरल हो रहे ऑडियो में डीएम को काफी अपशब्द कहे जा रहे हैं।

कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह से बात होने पर उन्होंने कहा कि ऑडियो उन्होंने भी सुना है और यह उनकी आवाज नहीं है। दूसरी तरफ डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह से जब इस सम्बन्ध में बात की गई तो उन्होंने कहा, "मीडिया के माध्यम से मेरे संज्ञान में लाए गए अपुष्ट ऑडियो के बारे में संबंधित अधिकारी ने इंकार किया है। अपुष्ट ऑडियो में यदि कोई अपने निजी पलों में किसी पीड़ा वश कोई संवाद अपनी मनः स्थिति अनुसार कर रहा है, तो उस पर प्रतिक्रिया आवश्यक नहीं है।" फिलहाल यह ऑडियो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जनपद स्तरीय पोषण समिति की बैठक संपन्न

» बच्चों के पोषण पर डीएम ने विशेष ध्यान देने के दिये निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय पोषण समिति की मासिक समीक्षा एवं कन्वर्जेंस बैठक आयोजित की गई। पोषण ट्रैकर ऐप पर गर्भवती महिलाओं का वजन फीडिंग, मैम और सैम बच्चों से संबंधित सूचना, वी.एच.एस.एन.डी., एन.आर.सी. प्रगति विवरण, हॉट कुक्ड फूड योजना का संचालन, समुदाय आधारित गतिविधियां, खाद्यान्न वितरण संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि बेबी वेट मशीन सहित ग्रोथ ट्रैकिंग हेतु जरूरी उपकरणों से टीकाकरण सत्र के जांच की साथ ही इस दौरान सभी गर्भवती महिलाओं की एब्डोमिनल जांच सहित सभी प्रकार की जांच की जाय इस कार्य मे लापरवाही पर ब्लॉक सूरतगंज,सिरौली गौसपुर, दरियाबाद व बाराबंकी शहर के सीडीपीओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने पोषण ट्रैकर पर समस्त इंडिकेटर की फीडिंग निर्धारित तिथि तक शतप्रतिशत पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मुख्य सेविका, बाल विकास परियोजना अधिकारी को मैम और सैम बच्चों के गृह भ्रमण कर पोषण परामर्श प्रदान करने से संबंधित निर्देश दिए गए। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि हॉट कुक्ड फूड योजना से समस्त लाभार्थियों को शत प्रतिशत आच्छादित किया जाए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन, डीडीओ श्री भूषण कुमार,डॉ राजीव सिंह, सभी सीडीपीओ सहित स्वास्थ्य विभाग और सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साउथ रैपिड रेल स्टेशन पर खराब हुई लिफ्ट, आती रही चीखने की आवाज, सवा घंटे फंसे रहे 8 लोग

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में यहां के रैपिड रेल साउथ स्टेशन की लिफ्ट अचानक खराब हो जाने से बंद हो गई। लिफ्ट के रुकने के बाद अफरा तफरी मच गई। लिफ्ट के अंदर आठ यात्री सावार थे। जो यात्रा करके स्टेशन की लिफ्ट से नीचे आ रहे थे। इसी बीच लिफ्ट तकनीकी रुप से खराब होकर बंद हो गई। इसके बाद सवा घंटे तक यात्री लिफ्ट में फंसे रहे। घटना की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली तो वो मौके पर पहुंची।

इसके बाद सभी को बाहर निकाला गया। लिफ्ट के अंदर फंसे रहने से कुछ लोग बिमार पड़ गए। इतना ही नहीं लिफ्ट में सवा घंटे फंसे रहने से आठ में से एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही थी। अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा था। फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर है और खतरे से बाहर बताई जा रही है। अभी कोई भी आधिकारिक बयान आआरटीएस की तरफ से नहीं आया है।

वहीं लिफ्ट में जो लोग फंसे थे उनका कहना है कि उन्होंने उसके अंदर मौजूद टोल फ्री नंबर पर सहायता के लिए फोन किया, लेकिन कॉल करने के करीब-करीब आधे घंटे बाद तक कोई भी उनकी मदद के लिए कोई नहीं आया। इसके बाद उन्होंने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस से सहायता मांगी। फिर पुलिस आई और जैसे तैसे करके सभी आठ लोगों को लिफ्ट से बाहर निकाला।

लिफ्ट के अंदर किया जा रहा मेनटेंनेंस काम

लिफ्ट में फंसे आठ यात्रियों में बच्चे भी शामिल थे। लिफ्ट को फिलहाल बंद कर दिया गया है और उसके अंदर मेनटेंनेंस का काम किया जा रहा है। बता दें कि अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है जब ये रैपिड स्टेशन पर सुचारू रूप से चलना शुरू हुआ था। अभी करीब साल भर भी इस स्टेशन को शुरू हुए नहीं हुआ है। इसी बीच स्टेशन की लिफ्ट खराब हो गई। राहत की बात ये कि यहां बड़ा हादसा होने से टल गया।

राम यतन को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी प्रशंसा एवं उत्साहवर्धन किया गया

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश पुलिस में नवचयनित 60,244 आरक्षियों के नियुक्ति पत्र वितरण का भव्य अयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन में जनपद में नियुक्त निरीक्षक ना0पु0 गीता द्विवेदी तथा उ0नि स0पु राम यतन द्वारा नवचयनित आरक्षियों के इस बृहद आयोजन में सम्मिलित होने हेतु परिवहन, आवास एवं आवागमन जैसी जटिल व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता एवं दक्षता से संचालन कर अपनी जिम्मेदारी निभाई गई, जिससे सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उक्त आयोजन में उत्कृष्ट योगदान, अनुशासन और कार्यकुशलता हेतु तत्कालीन अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन, एस0बी शिरडकर द्वारा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर उनकी सराहना की गई। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा निरीक्षक गीता द्विवेदी व उ0नि राम यतन को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी प्रशंसा एवं उत्साहवर्धन किया गया।

15 अगस्त तक नोएडा से दिल्ली जाने वालों को होगी परेशानी, शहर में एंट्री के तीन रूट पर ट्रैफिक डायवर्जन...

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। स्वतंत्रता दिवस नजदीक है. स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां भी जोरो शोरों से की जा रही हैं. ऐसे में 15 अगस्त तक भारी वाहनों को नोएडा से दिल्ली में प्रवेश करते समय समस्या हो सकती है क्योंकि नोएडा ट्रैफिक पुलिस की ओर से डायवर्जन प्लान लागू कर दिया गया है. स्वतंत्रता दिवस के दिन लाल किले पर ध्वजारोहण समारोह होता है. ध्वजारोहण समारोह की रिहर्सल को मद्देनजर रखते हुए नोएडा ट्रैफिक पुलिस की ओर से ये डायवर्जन प्लान लागू किया गया है.

डीसीपी ट्रैफिक लखन सिंह यादव ने बताया कि मालवाहक (भारी, मध्यम और हल्के) वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है. 12 अगस्त रात 10 बजे से 13 तारीख को रिहर्सल समाप्त होने तक और इसके बाद 14 अगस्त की रात 10 बजे से 15 तारीख को जब तक ध्वजारोहण कार्यक्रम खत्म नहीं होता तब तक मालवाहक वाहनों को नोएडा से दिल्ली जाने की अनुमति नहीं होगी. नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वो लाल किले और रिहर्सल के आसपास के इलाकों में न जाएं.

ये रहेगी व्यवस्था

डॉयवर्जन चिल्ला बॉर्डर, कालिंदी कुंज और डीएनडी पर पर लागू होगा. ऐसे में चिल्ला बॉर्डर की ओर से दिल्ली जाने वाले वाहन, चिल्ला रेड लाइट से यूटर्न लें और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होकर आगे जाएं. डीएनडी बॉर्डर की ओर से दिल्ली जाने वाले वाहन डीएनडी टोल प्लाजा से यूटर्न लें और नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होकर आगे जाएं.

इसी तरह से कालिंदी कुंज बार्डर से दिल्ली की तरफ जाने वाले वाहन यमुना नदी से पहले अंडरपास तिराहा से डायवर्ट हों और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होकर आगे जाएं। यमुना एक्सप्रेसवे से दिल्ली की तरफ जाने वाले वाहन जीरो प्वाइंट से परी चौक, पी-थ्री, कासना और सिरसा होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से आगे जाएं। परी चौक से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन परी चौक से पी-थ्री, कासना, सिरसा होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होकर आगे जाएं।

पुलिस कर रही कड़ी निगरानी

स्वतंत्रता दिवस रिहर्सल परेड की वजह से नोएडा से दिल्ली जाने वाले वाहन चालकों का सफर समस्याओं भरा रह सकता है। 15 अगस्त को देखते हुए पुलिस सभी लोगों पर कड़ी नजर रख रही है, जो दिल्ली से नोएडा आना जाना कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस पर सुरक्षा को लेकर पुलिस कोई कोताही नहीं बरतेगी।

'आईएएस कमरे में बुलाकर घूरते हैं, रात में वीडियो कॉल करते हैं, धमकाते हैं कि' नोएडा के अफसर के खिलाफ महिला कर्मचारियों की शिकायत, जांच के आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के एक आईएएस अधिकारी पर महिला कर्मचारियों के साथ अमानवीय व्यवहार करने, उनका शोषण और उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। महिला कर्मचारियों की शिकायत के बाद मामले में आईएएस अधिकारी के खिलाफ जांच के आदेश दे दिए गए हैं। आरोपित वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नोएडा के राज्य कर विभाग में तैनात है और एडिशनल कमिश्नर के पद पर कार्यरत है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस संबंध में एक शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है, जिसके आधार पर मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

महिला कर्मचारियों ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायत भेजी है। इस शिकायती पत्र में महिला अधिकारियों ने कई संगीन आरोप लगाए हैं। उन्होंने जिक्र किया है कि उनके साथ अधिकारी गुलामों जैसा बर्ताव करते हैं। वो गंदी भाषा का

इस्तेमाल करते हैं। धमकाते हैं और कहते हैं कि बात नहीं मानने पर नौकरी से हाथ धो बैठोगी।

विभाग की महिला कर्मचारियों ने बताया कि आईएएस अधिकारी का ये रवैया पिछले 4 महीने से जारी है। वो कहते हैं कि, 'मेरी बात नहीं मानोगे तो तुम्हारी नौकरी खा जाऊंगा और हाथ में कटोरा देकर नौकरी से निकलवा दूंगा।' यही नहीं, महिला कर्मचारियों ने अपनी शिकायत में यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आने वाले गंभीर आरोप भी लगाए हैं।

'कमरे में बुलाते हैं'

महिलाओं ने जिक्र किया है कि ये आईएएस अफसर महिला अधिकारियों को अपने कमरे में बुलाकर घंटों खड़ा रखते हैं। गंदे तरीके से बात करते हैं। उनकी ओर घूरते हैं। यहां तक कि रात में भी फोन करते हैं और वीडियो कॉल करते हैं। यही नहीं, वो छिपकर महिला अधिकारियों की वीडियो भी बनाते हैं। महिलाओं ने यह भी लिखा है कि जो भी महिला कर्मचारी उनके इस रवैये का विरोध करती है, उसे फर्जी मामलों में फंसाकर सस्पेंड करवाने की धमकी देते हैं। मुख्यमंत्री को लिखे शिकायती पत्र में महिला अधिकारियों ने लिखा है कि सरकार एक ओर 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों के जरिए महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही है, दूसरी ओर एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी महिलाओं की अस्मिता से खेल रहा है।

विभाग के 7 अधिकारियों पर लगे थे उत्पीड़न के आरोप

महिलाओं ने लेटर के अंदर बताया है कि उन्होंने दुखी मन से पत्र लिखा है और मामले में किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी या राज्य महिला आयोग से गोपनीय जांच कराए जाने की डिमांड की है। महिला कर्मचारियों ने आईएएस अधिकारी के खिलाफ 5 अगस्त को शिकायत दी थी। इसकी गंभीरता को देखते हुए त्वरित जांच के निर्देश दिए गए हैं।

महिलाओं की ये शिकायत भरा पत्र तब सामने आया है जब हाल ही में राज्य कर विभाग में सात अधिकारियों के सस्पेंसन का मामला चर्चा में रहा था। ये महिला उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा था। अब महिला कर्मचारियों के इस पत्र से विभाग में फिर हड़कंप मच गया है।

मंडरा रहा है डेंगू का खतरा, जानिए डेंगू हो जाए तो क्या करें और किन गलतियों से बचें?

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 39 करोड़ लोग डेंगू से संक्रमित होते हैं, जिनमें से लाखों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है।

मानसून का ये मौसम कई प्रकार की बीमारियों का घर माना जाता है, इस दौरान सबसे ज्यादा खतरा मच्छर जनित बीमारियों का रहता है। हर साल जुलाई से अक्तूबर के महीने में दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों में डेंगू के मामले काफी बढ़ जाते हैं। डेंगू, मच्छरों के काटने से होने वाली गंभीर बीमारी है, जिसमें समय पर इलाज न होने से जान भी जा सकती है। एडीज मच्छरों के काटने से ये संक्रमण फैलता है।

बारिश के बाद गमलों, टायर, कूलर या छत पर पानी जम जाता है, और यही साफ पानी एडीज मच्छरों की घर है है। ये मच्छर दिन में काटते हैं और डेंगू वायरस फैलाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 39 करोड़ लोग डेंगू से संक्रमित होते हैं, जिनमें से लाखों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। इस बीमारी में तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, उल्टी और लाल चकत्ते हो सकते हैं। इस रोग के बारे में जानना और इससे बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहना बहुत जरूरी है।

इसलिए डेंगू के लक्षणों को पहचानना और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं डेंगू के 5 लक्षण जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

तेज बुखार आना

डेंगू का सबसे पहला और सामान्य लक्षण है अचानक तेज बुखार आना। यह बुखार 102°F से 104°F तक हो सकता है और इसमें ठंड लगने के साथ पसीना भी आ सकता है। सामान्य फ्लू या वायरल बुखार से अलग, डेंगू का बुखार लगातार बना रहता है और दवा लेने के बाद भी जल्दी उतरता नहीं है।

सिरदर्द और आंखों में दर्द

डेंगू के मरीजों को तेज सिरदर्द की शिकायत होती है, खासकर आंखों के पीछे और माथे के हिस्से में। इसके साथ ही आंखों में तेज दर्द, खासकर आंखों को हिलाने पर, भी डेंगू का संकेत हो सकता है। यह दर्द इतना तेज हो सकता है कि मरीज को चक्कर आने लगें।

मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द

डेंगू को 'हड्डी तोड़ बुखार' भी कहा जाता है, क्योंकि इससे पीड़ित व्यक्ति को मांसपेशियों और जोड़ों में असहनीय दर्द होता है। यह दर्द इतना तेज हो सकता है कि मरीज को चलने-फिरने या सामान्य काम करने में भी दिक्कत होने लगती है।

त्वचा पर रैशेज होना

डेंगू बुखार आने के 2-3 दिन बाद शरीर पर रैशेज दिखाई दे सकते हैं। ये रैशेज छोटे लाल धब्बों की तरह होते हैं और ज्यादातर चेहरे, छाती, हाथ-पैरों पर नजर आते हैं। कई बार इनमें खुजली भी हो सकती है।

उल्टी और कमजोरी महसूस होना

डेंगू के मरीजों को मतली, उल्टी और भूख न लगने की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, शरीर में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से गिरने लगती है, जिससे कमजोरी, थकान और चक्कर आने लगते हैं। गंभीर मामलों में नाक या मसूड़ों से खून आना, पेट में तेज दर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं।

डेंगू के मामले हो सकते हैं खतरनाक

डॉक्टर कहते हैं, अगर डेंगू हो भी गया है तो घबराएं नहीं। डॉक्टर की सलाह पर कुछ दवाओं और सेहत पर ध्यान देकर इसके खतरों से बचा जा सकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में बताया डेंगू की समस्या दो-सात दिनों की होती है, हालांकि गंभीर स्थितियों में इसका जोखिम अधिक हो सकता है। इसके कारण सिरदर्द, रेट्रो-ऑर्बिटल पेन, त्वचा पर दाने होने, रक्तस्राव की समस्या का खतरा हो सकता है। बच्चों में डेंगू आमतौर पर हल्का होता है। वहीं कुछ वयस्कों में ये हड्डियों में गंभीर दर्द के साथ अन्य जटिलताओं का कारण बन सकती है।

डेंगू होने पर क्या करें

डेंगू के कारण शरीर में तरल पदार्थ की कमी हो सकती है, इसलिए हाइड्रेटेड रहना बहुत जरूरी है।

पानी, नारियल पानी, इलेक्ट्रोलाइट्स और ताजे फलों का रस पिएं ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

डेंगू से शरीर काफी कमजोर हो जाता है। इसलिए पर्याप्त आराम करना जरूरी है।

डॉक्टर की सलाह से सिर्फ पैरासिटामोल लें। इससे बुखार और शरीर के दर्द में राहत मिलती है।

प्लेटलेट काउंट की जांच कराएं। प्लेटलेट्स कम होने पर स्थिति गंभीर हो सकती है।

हरी सब्जियों, फलों और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करें ताकि शरीर को पोषण मिल सके।

डेंगू होने पर क्या न करें

शरीर को हाइड्रेटेड रखने में कमी न करें। पानी की कमी से स्थिति गंभीर हो सकती है।

डेंगू के दौरान भारी शारीरिक कार्य या व्यायाम से बचें, क्योंकि इससे थकान और कमजोरी बढ़ सकती है।

अगर शरीर के किसी हिस्से से खून बह रहा हो, तो इसे हल्के में न लें। यह डेंगू हेमोरेजिक फीवर का संकेत हो सकता है।

डेंगू फैलाने वाले मच्छर दिन के समय ज्यादा सक्रिय होते हैं, इसलिए मच्छरों से बचने के लिए उचित कदम उठाएं।

टीवी देखते-देखते करें ये एक्सरसाइज, रहेंगे फिट

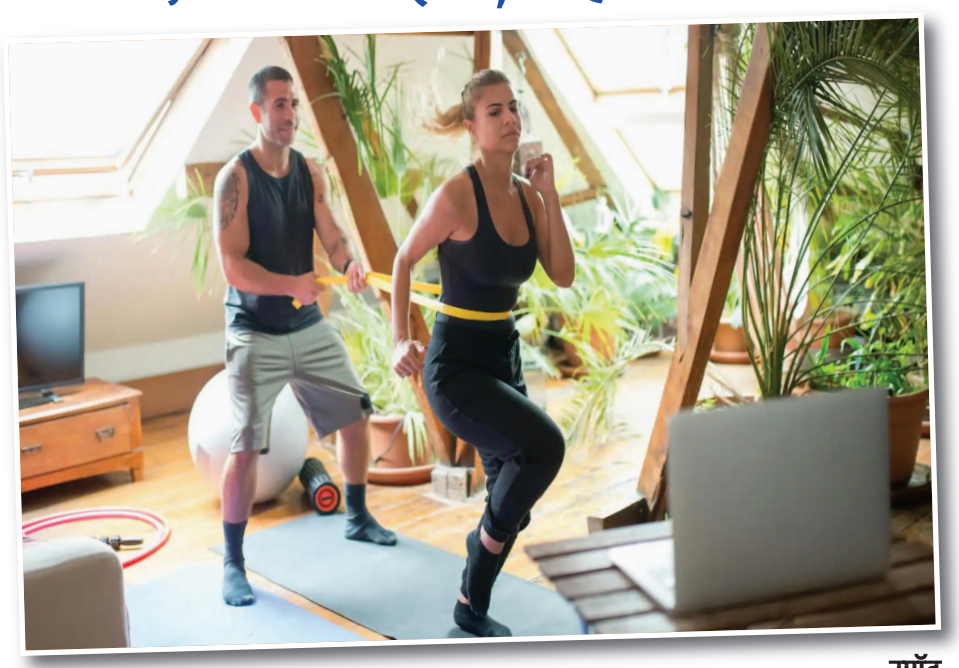

अगर आपको रोजमर्रा की एक्सरसाइज उबाऊ लगती है और आप इसे करने में आलस करते हैं तो टीवी देखते हुए ही एक्सरसाइज करना शुरू कर सकते हैं। इससे आपको एक्सरसाइज करने में बोरियत नहीं होगी और आप फिट भी रहेंगे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें आप टीवी देखते हुए ही कर सकते हैं और इससे आपका कोई समय बर्बाद भी नहीं होगा।

काउच पुश-अप्स

काउच पुश-अप्स एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी काउच के किनारे पर हाथ रखकर पुश-अप्स करने हैं। यह आपकी छाती, कंधे और बाजुओं को मजबूत बनाता है। इसके अलावा यह आपकी पीठ की मांसपेशियों को भी टोन करता है। इसे करने के लिए काउच के किनारे खड़े होकर हाथों को काउच पर रखें, फिर शरीर को नीचे-ऊपर करें। यह कसरत आराम से की जा सकती है।

स्क्वाट्स

स्क्वाट्स एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले खड़े होकर अपने घुटनों को हल्का मोड़ें और फिर धीरे-धीरे नीचे की ओर बैठें जैसे कि आप कुर्सी पर बैठ रहे हों। इस दौरान अपनी पीठ को सीधा रखें और हाथों को सामने फैलाएं। यह एक्सरसाइज आपके पैरों, नितंबों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। नियमित अभ्यास से आपको बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

स्पॉट मार्चिंग

स्पॉट मार्चिंग एक आसान और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस जगह पर खड़े होकर पैर उठाने होंगे जैसे चल रहे हों। यह आपके दिल की सेहत को बढ़ाता है और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसे करने के लिए खड़े होकर धीरे-धीरे पैर उठाएं और नीचे रखें। यह कसरत आराम से की जा सकती है, जिससे आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

लेग सर्कल्स

लेग सर्कल्स एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी टांगों को हवा में उठाकर गोल गोल घुमाना होगा। यह आपकी पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पैरों की टोनिंग करता है। इसे करने के लिए पीठ के बल लेटें, फिर एक पैर को ऊपर उठाकर गोलाकार गति में घुमाएं। इस प्रक्रिया को दूसरे पैर से भी दोहराएं।

बैठे-बैठे पैर उठाना

बैठे-बैठे पैर उठाना एक आसान और असरदार कसरत है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी टांगों को ऊपर उठाना होगा जैसे कि कुर्सी पर बैठे हों। यह आपकी पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पैरों की टोनिंग करता है। इसे करने के लिए कुर्सी पर बैठकर दोनों पैरों को ऊपर उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे रखें। इस प्रक्रिया को कुछ बार दोहराएं।

संगीत बच्चों की कम उम्र से ही करता है भावनाओं को पहचानने में मदद

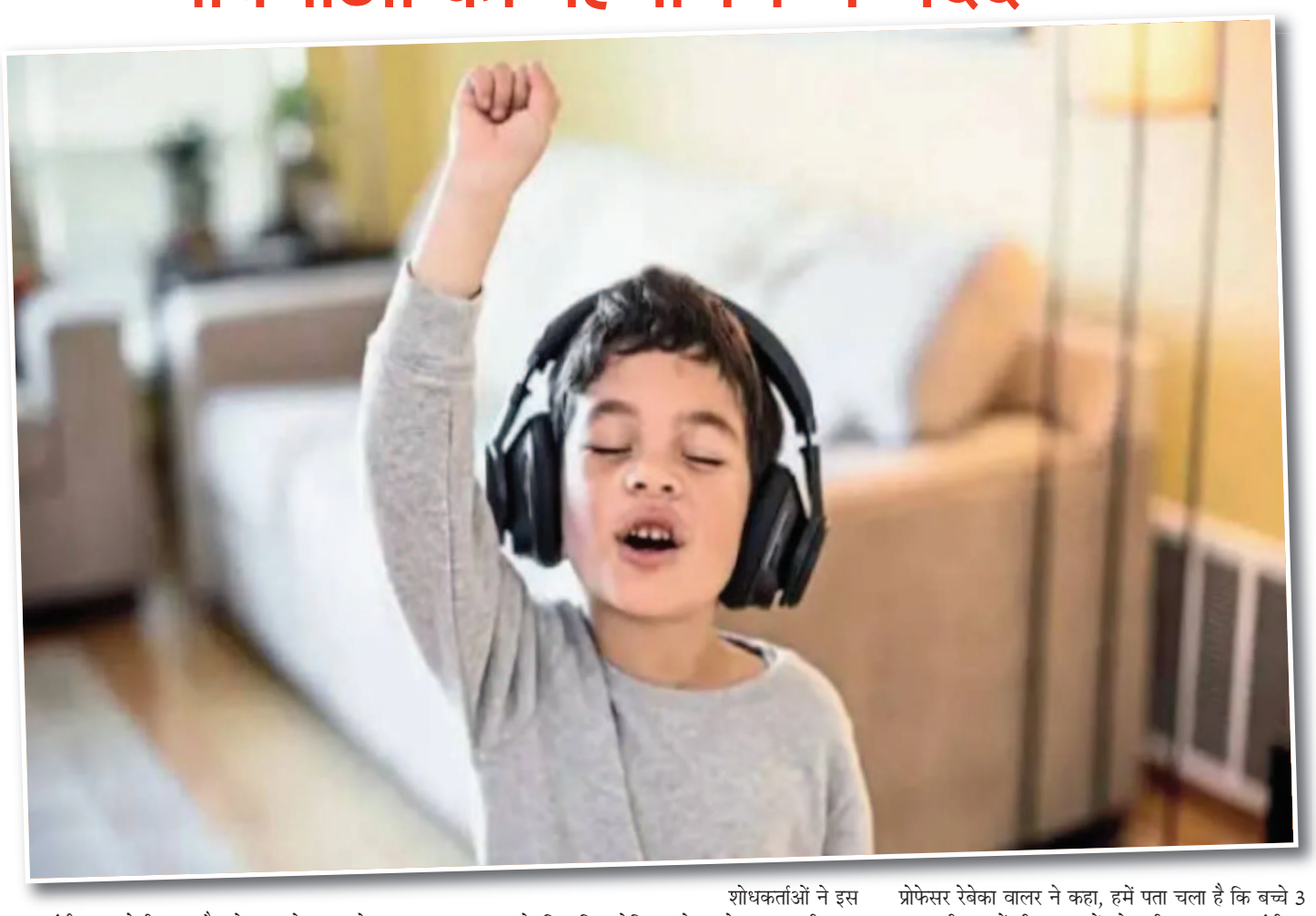

संगीत एक ऐसी कला है, जो मन को सुकून देकर खुशी महसूस करवाने का जादू रखती है। चाहे हम खुश हों या उदास हों, संगीत सभी भावनाओं को व्यक्त करने का जरिया माना जाता है। बड़ों के लिए अपनी भावनाओं को समझना आसान होता है, लेकिन बच्चे ऐसा नहीं कर पाते हैं। ऐसे में संगीत उनका सहारा बन सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, संगीत छोटे बच्चों की कम उम्र से ही भावनाओं को पहचानने में मदद कर सकता है।

फिलाडेल्फिया के पेन स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज के मनोविज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया है। वे संगीत के माध्यम से भावहीन व्यवहार से जुड़े लक्षणों वाले बच्चों की भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहते थे। जो बच्चे सहानुभूति या अपराधबोध जैसी भावनाओं का अभाव महसूस करते हैं, उनके आक्रामक होने का खतरा ज्यादा रहता है। इसी कारण से शोधकर्ता छोटी उम्र से ही बच्चों को संगीत के माध्यम से भावबोधक बनाने की कोशिश में जुटे थे।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए फिलाडेल्फिया के 3 से 5 साल की आयु वाले 144 बच्चों की जांच की थी। उन्हें 5-5 सेकंड की संगीत क्लिप सुनाई गई थी। इनके जरिए यह देखने का प्रयास किया गया था कि वे खुशी, उदासी, शांति या भय को कितनी अच्छी तरह पहचानते हैं। यह अध्ययन उन बच्चों के सामुदायिक नमूने पर किया गया, जिनमें समग्र रूप से कठोर-भावनाहीन लक्षणों का स्तर कम था।

इस अध्ययन के नतीजों को चाइल्ड डेवलपमेंट पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। इसमें सामने आया कि बच्चे संगीत के माध्यम से भावनाओं की पहचान ज्यादा सटीकता से कर सकते हैं। उम्र के साथ उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता जाता है। इसके अलावा, पाया गया कि जिन बच्चों के माता-पिता उन्हें कठोर-भावनाहीन वाले लक्षणों में ज्यादा अंक देते हैं, वे संगीत में भावनाओं की पहचान कम कर पाते हैं। हालांकि, उन्हें डरावना संगीत पहचानने में ज्यादा मुश्किल नहीं होती।

इस अध्ययन की सह-वरिष्ठ लेखिका एसोसिएट प्रोफेसर रेबेका वालर ने कहा, हमें पता चला है कि बच्चे 3 साल की उम्र में भी भावनाओं को सही भावनात्मक संगीत से मिलाने में अच्छे होते हैं। यह इस बात पर जोर देता है कि संगीत भावनात्मक समाजीकरण और सामाजिक कौशल शिक्षण के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। नतीजे साफ तौर पर कहते हैं कि संगीत सुनने से बच्चे अपनी भावनाओं को समझना और व्यक्त करना सीख सकते हैं।

सबसे दिलचस्प निष्कर्षों में से एक यह है कि चेहरे के भावों की तुलना में संगीत से भावना पहचान में अंतर होता है। अध्ययन के मुताबिक, कठोर-भावनाहीन लक्षणों वाले बच्चों को चेहरे के भावों से संकट को पहचानने में अधिक कठिनाई होती है। शोधकर्ताओं को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि कठोर-भावनाहीन लक्षणों वाले बच्चे भी संगीत सुनकर भय को पहचानने में सक्षम थे। इससे पता चलता है कि संगीत भावना पहचानने के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त हो सकता है।

बनवाना है घर तो अपने पीएफ खाते से निकाल सकते हैं इतने पैसे, जानें क्या है तरीका

अगर आप नौकरी करते हैं तो शायद नियमों के तहत आपकी कंपनी ने भी आपका पीएफ खाता खुलवा रखा होगा? जिन लोगों के पीएफ खाते होते हैं उनमें कर्मचारियों की सैलरी से हर महीने एक निश्चित अमाउंट काटकर जमा किया जाता है। वहीं, इतना ही पैसा कंपनी भी अपने कर्मचारियों के पीएफ खाते में जमा करती है। पर क्या आप जानते हैं आप अपने पीएफ के पैसे को नौकरी के बीच में भी निकाल सकते हैं।

जैसे, अगर आपको घर खरीदना है, घर बनवाना है, घर की ईएमआई भरनी है आदि। ऐसे में आप नौकरी के बीच में अपने पीएफ खाते से 90 फीसदी हिस्सा निकाल सकते हैं। जहां पहले इसके लिए कम से कम 5 साल की नौकरी होना जरूरी था, तो वहीं अब ये लिमिट 3 साल हो गई है। ऐसे में अगर आपको भी घर निकालने के लिए पीएफ के पैसे निकालने हैं तो यहां आप इसका तरीका जन सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस बारे में...

ऐसे निकाल सकते हैं पीएफ के पैसे

स्टेप 1

अगर आपको भी घर बनाने जैसे काम के लिए पीएफ के पैसे निकालने हैं तो आप निकाल सकते हैं

इसके लिए आपको सबसे पहले ईपीएफओ की आधिकारिक वेबसाइट https://unified-portal-mem.epfindia.gov.in/memberinterface/ पर जाना है

यहां पर आपको लॉगिन करना होता है

स्टेप 2

लॉगिन करने के लिए आपको सबसे पहले अपना UAN नंबर भरना है

फिर आपको अपना पासवर्ड दर्ज करना है जिसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा

इस आए हुए ओटीपी को भरें और फिर लॉगिन कर लें

यहां पर अब आपको कई सारे सेक्शन दिखेंगे

स्टेप 3

ऐसे में आपको 'ऑनलाइन सर्विसेज' वाले सेक्शन में जाना है

इसके बाद आपको यहां पर 'क्लेम' वाले ऑप्शन पर क्लिक करना होता है

अब आपको अपना बैंक अकाउंट नंबर भरना है और इसे वेरिफाई करवाना है

फिर आपको 'एडवांस क्लेम' वाले ऑप्शन को चुनना है

स्टेप 4

अब पीएफ खाते से पैसे निकालने का कारण चुनें, जो घर बनाने, खरीदने से संबंधित होगा

फिर अपने घर का पता यहां भर दें और फिर चेक बॉक्स पर क्लिक करें

इसके बाद ओटीपी पर क्लिक करें जिसके बाद आपके मोबाइल नंबर एक ओटीपी आएगा

इस आए हुए ओटीपी को भरकर सबमिट कर दें और आपका आवेदन सबमिट हो जाता है

फिर सबकुछ सही होने पर कुछ दिनों के भीतर आपके बैंक खाते में पैसे आ जाते हैं

आरबीआई का सख्त आदेश : बैंकों को 15 दिनों में निपटाना होगा मृत ग्राहकों के क्लेम, वरना लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने मृत ग्राहकों के बैंक खातों और लॉकर से संबंधित दावों का निपटान 15 दिन के भीतर करने की विशेष पहल की है। केंद्रीय बैंक ऐसे मामलों का तय समयसीमा के भीतर निपटारा करने और किसी भी देरी के लिए नामांकित व्यक्तियों को मुआवजा देने के लिए फॉर्म को मानकीकृत करने की योजना बना रहा है।

आरबीआई ने मृत बैंक ग्राहकों के बैंक खातों और सुरक्षित जमा लॉकर में रखी वस्तुओं से संबंधित दावों के निपटान के लिए मानक प्रक्रियाएं लाने का प्रस्ताव किया है। इसका मकसद निपटान को और अधिक सुविधाजनक और सरल बनाना है। इस दिशा में, केंद्रीय बैंक ने परिपत्र का मसौदा – भारतीय रिजर्व बैंक (बैंकों के मृत ग्राहकों के संबंध में दावों का निपटान) निर्देश, 2025' जारी किया है और 27 अगस्त तक इस पर टिप्पणियां मांगी हैं। मसौदे में कहा गया, "बैंक दावों और अन्य दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए मानकीकृत प्रपत्रों का उपयोग करेगा।" इसमें दावों के निपटान में देरी होने पर मुआवजे का भी प्रावधान है। मसौदे में कहा गया है कि यदि जमा खातों या लॉकर के लिए किसी व्यक्ति को नामित किया गया है, तो उसे पहचान और पते के सत्यापन के लिए दावा प्रपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र (मृत ग्राहक) और नामित (नामिनी) का आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेज जमा करना होगा।

मसौदे के अनुसार, बैंक को उन जमा खातों में दावों के निपटान के लिए एक सरल प्रक्रिया अपनानी चाहिए, जहां मृतक जमाकर्ता ने कोई नामांकन नहीं किया है, ताकि दावेदार या कानूनी उत्तराधिकारी को असुविधा से बचाया जा सके। ऐसे दावों के निपटान के लिए बैंक को अपनी जोखिम प्रबंधन प्रणालियों के आधार पर न्यूनतम 15 लाख रुपये की सीमा तय करनी चाहिए। वर्तमान में, मृतक के 'नॉमिनी' व्यक्ति द्वारा खाते और लॉकर से संबंधित दावों के संबंध में सभी बैंकों की अपनी प्रणाली और प्रक्रियाएं हैं। इसी प्रकार, बिना 'नॉमिनी' वाले खातों के लिए बैंकों की प्रक्रियाओं में कुछ भिन्नता हो सकती है। इस कदम से प्रक्रिया मानकीकृत और सरल होगी। मौजूदा निर्देशों के अनुसार, बैंकों को 'नॉमिनी' व्यक्ति/ कानूनी उत्तराधिकारियों के किए गए दावों के शीघ्र और परेशानी मुक्त निपटान की सुविधा के लिए एक सरलीकृत प्रक्रिया अपनाने की आवश्यकता है।

केंद्र सरकार ने बीते 9 वर्षों में 4 लाख से अधिक बैकलॉग रिक्तियों को भरा : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालय ने बीते 9 वर्षों में (2016 से) करीब 4.8 लाख बैकलॉग रिक्तियों को भरा है। उन्होंने राज्यसभा में पूछे ग ए एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि सभी मंत्रालय में बैकलॉग समेत रिक्तियों को भरना एक सतत प्रक्रिया और यह लगातार चलती रहती है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों को समय-समय पर रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरने की सलाह दी गई है।

जितेंद्र सिंह के अनुसार, केंद्रीय सरकार के पदों और सेवाओं में खुली प्रतियोगिता द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर सीधी भर्ती में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत, अनुसूचित जातियों को 15 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों को 7.5 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, पदोन्नति में अनुसूचित जातियों को 15 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजातियों को 7.5 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों के मामले में सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों में 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाता है।

सिंह ने कहा, रिक्तियों और भरे गए पदों का विवरण संबंधित मंत्रालयों, विभागों और संगठनों द्वारा रखा जाता है।

इसके अतिरिक्त, जुलाई के मध्य में केंद्र सरकार की ओर से 16वां रोजगार मेला आयोजित किया गया था। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 51,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र वितरित किए।

आसिम मुनीर ने कहा-भारत के खिलाफ मेरा बेटा लड़ेगा, वो शहीद हुआ तो मेरा पोता लड़ेगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान बिलबिलाया हुआ है। उसके आतंकी ठिकाने और एयरबेस तबाह हो चुके हैं। एयरबेस की हालत तो ऐसी है कि ऑपरेशन के लायक भी नहीं बचे हैं, जिससे उसका करोड़ों का नुकसान हुआ है, लेकिन इसके बावजूद वे पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर दुनिया में अपनी जांबाजी का ढिंढोरा पीट रहे हैं। युद्ध के बाद से वह दो बार अमेरिका का दौरे कर चुके हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति की चापलूसी करते दिखाई दिए। वहीं, ब्रुसेल्स में वे अब खुद को शांति का दूत बता रहे हैं और यहां तक दावा कर दिया कि भारत के साथ उनका बेटा लड़ेगा और अगर वो शहीद हो गया तो पोता लड़ेगा। यही नहीं, मुनीर ने एक बार फिर कश्मीर का

रोना रोया है और उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बताया है।

ब्रुसेल्स में आसिम मुनीर ने पाकिस्तानियों से बात करते हुए सफाई दी कि उन्हें नेता बनने का कोई शौक नहीं है। दरअसल, पाकिस्तान में चर्चा चल रही है कि मुनीर मुल्क में सत्ता पलट करना चाहते हैं। ये बात देश में आम है। लोगों को लग रहा है कि वे कभी भी तख्तापलट कर सत्ता की कुर्सी पर बैठ जाएंगे और शहबाज शरीफ को कुर्सी से उतारने में वक्त नहीं लगेगा।

आसिम मुनीर ने ट्रंप को बताया पीस लवर

ब्रुसेल्स में भी ट्रंप की चापलूसी करते हुए मुनीर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप पीसमेकर और पीस लवर हैं। पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामजद किया है। सबसे पहला क्रेडिट पाकिस्तान को जाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामजद किया गया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख ज्ञान बघारते हुए दावा कर दिया है कि दुनिया में जंगल राज है।

मुनीर ने अलापा कश्मीर का राग

उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई कानून नहीं है। जंगलराज का कानून चल रहा है। आगर आपके पास ताकत है तो दुनिया आपकी इज्जत करेगी और आपको मानेगी व जानेगी। हम शांति में यकीन रखने वाले लोग हैं, लेकिन हमसे कोई लड़ेगा तो हम उसको छोड़ने वाले नहीं हैं। मुनीर ने कश्मीर का राग अलापते हुए कहा कि कश्मीर भारत की जागीर नहीं है, कश्मीर बाइलेट्रल मुद्दा नहीं है, ये एक अंतरराष्ट्रीय मसला है। उन्होंने दावा किया कि भारत के खिलाफ उनका बेटा लड़ेगा और अगर वह शहीद हुआ तो फिर पोता लड़ेगा। वहीं, ब्रुसेल्स में आसिम मुनीर के खिलाफ FIR भी दर्ज की गई है।

मोंटाना में बड़ा हादसा, कालीस्पेल सिटी एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश, दो घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूएस स्टेट मोंटाना के कालीस्पेल सिटी एयरपोर्ट पर सोमवार को एक विमान हादसा हो गया। यहां एक छोटा विमान टैक्सीवे पर दूसरे विमान से टकरा गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक पहले विमान को रनवे पर कोई समस्या आई थी और फिर वह दूसरे विमान से टकरा गया। कालीस्पेल पुलिस, फ्लैटहेड काउंटी शेरिफ कार्यालय और स्थानीय अग्निशमन दल सहित आपातकालीन दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा जांच और बचाव कार्य जारी रहने के कारण, घायलों और प्रभावित विमानों के प्रकार के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकरी उपलब्ध नहीं है। मोंटाना के कालीस्पेल सिटी हवाई अड्डे पर सोमवार दोपहर एक छोटे विमान में रनवे के पास पहुंचते समय आग लग गई और वह टैक्सीवे पर खड़े एक दूसरे विमान से टकरा गया। इस घटना के कारण एक विशाल आग का गोला और घना काला धुआं उठा, जो पूरे इलाके में दिखाई दे रहा था। रिपोर्टों के अनुसार, पहला विमान टक्कर से ठीक पहले आग की लपटों में घिर गया और तेजी से रनवे के अंदरूनी हिस्से तक फैल गया। चौंकाने वाले वीडियो फुटेज में उस पल को कैद किया गया है जब विमान एक विशाल आग के गोले में बदल गया और मोंटाना के आसमान में धुएं का एक बादल छा गया। इस हादसे में केवल मामूली चोटें आईं, जलते हुए विमान में सवार चार लोगों में से दो का इलाज चल रहा है। कालीस्पेल के अग्निशमन प्रमुख जे हेगन ने पुष्टि की कि टक्कर के समय दूसरे विमान के अंदर कोई नहीं था। कालीस्पेल पुलिस विभाग, फ्लैटहेड काउंटी शेरिफ कार्यालय और स्थानीय अग्निशमन विभाग सहित आपातकालीन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। हालांकि हादसे का कारण और इसमें शामिल विमानों के प्रकार की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है, संघीय उड्डयन प्रशासन (FAA) वर्तमान में घटना की जांच कर रहा है।

तुर्की में रूस के लोग क्यों नहीं रहना चाहते हैं, 2 साल में आधी हो गई आबादी

यूक्रेन। रूस के लोगों को अब तुर्की में रहना रास नहीं आ रहा है। इसका अंदाजा आप इससे लगा सकते हैं कि पिछले दो साल में तुर्की में रहने वालों रूसी लोगों की संख्या लगभग आधी हो गई है। जहां 2023 में 1,54,000 लोग रहते थे वो अब घटकर 2025 में करीब 85,000 रह गई है। ये जानकारी रूस समर्थक अखबार इज्वस्टिया ने अंकारा में रूसी दूतावास के हवाले से दी।

यूक्रेन पर पुतिन के हमले के बाद बहुत से रूसी तुर्की आए थे, लेकिन अब यहाँ से लोग वापस जा रहे हैं या दूसरे देशों में बस रहे हैं। कुछ लोग रूस लौट रहे हैं, जबकि कुछ सर्बिया, पुर्तगाल, स्पेन या जॉर्जिया जा रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि रेसेप तैय्यप एर्दोआन के देश तुर्की में रूस के लोग क्यों नहीं रहना चाहते हैं? पहली वजह है महंगाई। तुर्की में महंगाई 33% के करीब पहुँच

गई है। घरों की कीमतें एक साल में 30% से ज्यादा बढ़ गई हैं। इसके साथ ही कई लोगों को निवास परमिट (रहने की इजाजत) का रिन्यूअल नहीं मिल रहा, चाहे उनके पास घर हो या वे सालों से रह रहे हों। कुछ इलाकों में विदेशियों को घर खरीदने या किराए पर लेने पर रोक है।

विदेशियों पर टैक्स बढ़ गए हैं और इमिग्रेशन नियम सख्त हो गए हैं। अगस्त 2024 से तुर्की ने पर्यटकों को अस्थाई परमिट देना बंद कर दिया। इसके अलावा, लोग सार्वजनिक सेवाओं में गिरावट, अस्पतालों में लंबा इंतज़ार, गंदगी और सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान जैसी समस्याओं से परेशान हैं।

युद्ध से पहले और बाद की प्रवासन संख्या

द इकोनॉमिस्ट ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस से प्रवासन की इस लहर को 1920 के दशक के बाद से देश का सबसे बड़ा सामूहिक प्रवासन बताया था। यानी 2022 से अब तक रूस छोड़ने वालों की यह लहर 1920 के दशक के बाद सबसे बड़ी है। रूसी सरकारी सांख्यिकी एजेंसी रोसस्टैट के अनुसार, युद्ध से पहले पुतिन के सत्ता में आने के बाद से 16 लाख से 20 लाख लोगों ने देश छोड़ा था और आक्रमण के बाद से लगभग आधी संख्या ने देश छोड़ा है। सर्बिया, कजाखस्तान, आर्मेनिया, तुर्की, इजराइल, यूरोप और अमेरिका सभी ने लाखों रूसी प्रवासियों को लिया है।

यूनुस देखते रह गए, सेना के कंट्रोल में होगा बांग्लादेश का चुनाव, आयोग का प्लान तैयार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने वाले हैं। इसकी घोषणा हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने की थी। इस बीच खबर है कि चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था मजबूत रखने के लिए चुनाव आयोग ने एक नया प्लान तैयार किया है। इस बार सेना, नौसेना और वायुसेना को भी कानून व्यवस्था बलों में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया है।

सोमवार को हुई EC बैठक में RPO (Representation of the People Order) में बदलाव का प्रस्ताव मंजूर किया गया। अगर यह प्रस्ताव कानून बन गया, तो इन बलों को चुनाव में जिम्मेदारी देने के लिए अलग आदेश की जरूरत नहीं होगी। सेना के जवान भी पुलिस की

तरह मतदान केंद्रों पर ड्यूटी कर पाएंगे और बिना वारंट गिरफ्तारी कर सकेंगे।

Prothomalo की एक खबर के मुताबिक 2001 से 2008 तक RPO में सेना कानून-व्यवस्था बल की परिभाषा में थी, लेकिन 2009 में यह हटा दिया गया। अभी की परिभाषा में पुलिस, RAB, आंसर, BGB, कोस्ट गार्ड वगैरह आते हैं। RPO की धारा 87 के अनुसार, कानून-व्यवस्था बल का कोई भी सदस्य (चाहे पुलिस न हो) चुनाव से जुड़े कुछ अपराधों के लिए या शांति बनाए रखने के लिए मतदान केंद्र और उसके 400 गज के दायरे में बिना वारंट गिरफ्तारी कर सकता है।

अगर सेना को परिभाषा में शामिल कर दिया गया, तो उन्हें भी ये अधिकार मिलेंगे। अभी तक चुनाव में सेना को सिर्फ स्ट्राइकिंग फोर्स (तैनात लेकिन मतदान केंद्र के अंदर काम नहीं) के रूप में बुलाया जाता है। वे जरूरत पड़ने पर गश्त और कार्रवाई करते हैं, लेकिन मतदान केंद्र पर ड्यूटी नहीं करते।

यूनुस को ये प्लान क्यों रास नहीं आएगा?

यूनुस बार बार इस बात पर जोर देते रहे हैं चुनाव सम्मानजनक और लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए न कि सेना की ताकत से। उन्होंने कहा है कि सेना देश की रक्षा के लिए है, चुनी हुई सरकार ही राष्ट्र का भविष्य तय कर सकती है। दूसरा ये कि सेना को कानून-व्यवस्था के कामों में जैसे मतदान केंद्रों पर ड्यूटी और बिना वारंट गिरफ्तारी की जिम्मेदारी अगर दी जाए, तो ये सैन्य हस्तक्षेप में बढ़ोतरी का संकेत है।

इस प्लान पर जानकारों की राय क्या है?

Prothomalo में मेजर जनरल (रिटा।) फ़ज़ले इलाही अकबर का बयान छपा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि सेना को सिर्फ स्ट्राइकिंग फोर्स रखने से संसाधन और पैसे की बर्बादी है। उन्हें बाकी बलों के साथ मिलकर चुनाव में समान माहौल बनाने कि जिम्मेदारी देनी चाहिए। अर्थशास्त्री देबप्रिया भट्टाचार्य ने कहा कि पुलिस की क्षमता और मनोबल अभी कम है, और कानून-व्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है। अच्छे चुनाव के लिए सेना की बड़ी और असरदार भूमिका जरूरी है। वे चाहते हैं कि सेना चुनाव से 3 महीने पहले अवैध हथियार बरामद करे और चुनाव के 10 दिन बाद तक मैदान में रहे।

प्रियंका गांधी ने कहा-फिलिस्तीन नरसंहार पर भारत सरकार का चुप रहना शर्मनाक, इजराइली दूतावास भड़का

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को इजरायल द्वारा किए गए हमलों को लेकर कहा कि इजरायल नरसंहार किए जा रहा है। प्रियंका वाड्रा ने एक्स पर पोस्ट करत हुए लिखा कि इजरायल ने 60,000 से जयादा लोगों की हत्या कर दी है, जिसमें 18,430 बच्चे भी शामिल थे। इजरायल के हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। लाखों लोगों के भूख से मरने का खतरा है, जिनमें

कई बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली राजदूत ने प्रियंका गांधी के एक्स पोस्ट की आलोचना की है।

इजरायल की तरफ से फिलिस्तीन में हो रहे नरसंहार पर भारत सरकार की चुप्पी पर प्रियंका गांधी ने सवाल उठाएं हैं। उन्होंने कहा कि इजरायल फिलिस्तीन के लोगों पर यह विनाश कर रहा है और यह बहुत ही शर्मनाक बात है कि भारत सरकार चुप बैठी है। चुप्पी और निर्षक्रियता से इस तरह के अपराधों को बढ़ावा मिलता है। इस तरह के अपराध को बढ़ावा देना अपने आप में ही एक अपराध है।

"पांच पत्रकारों की निर्मम हत्या जघन्य अपराध"

प्रियंका गांधी गाजा में इजरायल के हमलों के खिलाफ लगातार आवाज उठा रही हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अल-जजीरा के पांच पत्रकारों की निर्मम हत्या फिलिस्तीन सरजमीं पर किया गया एक और जघन्य अपराध है। सत्य की राह पर चलने वालों का हौसला, इजराइली राज्य की हिंसा और नफरत के सामने कभी नहीं टूटेगा। एक ऐसी दुनिया में जहां ज्यादातर मीडिया सत्ता और व्यापार के आगे झुक चुका है, इन निडर आवाजों ने हमें दिखाया कि असली पत्रकारिता कैसी होती है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

इजरायली राजदूत ने क्या कहा?

वहीं अब इसपर गाजा नरसंहार को लेकर भारत में इजरायली राजदूत रूवेन अजार ने प्रियंका के एक्स पोस्ट की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि शर्मनाक बात तुम्हारा भ्रम फैलाना है। इजराइल ने 25,000 हमास आतंकवादियों को मार दिया। मानव जीवन की कीमत हमास की उस रणनीति का नतीजा है जिसमें वो नागरिकों को ढाल बनाते हैं। पलायन या सहायता लेने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोलीबारी करते हैं और रॉकेट से हमला करते हैं। इज़राइल ने गाज़ा में 20 लाख टन से अधिक भोजन पहुंचाया है, लेकिन हमास उसे ज़ब्त कर भुखमरी को बढ़ा रहा है। पिछले 50 वर्षों में गाजा की आबादी 450% बढ़ी है, यहां नरसंहार नहीं हुआ। हमास के आंकड़ों पर विश्वास न करें।

भारत ने इजरायल-फिलिस्तीन विवाद पर क्या कहा?

भारत और इजरायल के बीच अच्छी दोस्ती रही है। इजरायल-फिलिस्तीन के बीच लंबे समय से चलते आ रहे विवाद के बीच भारत ने कहा था कि वो टू स्टेट सॉल्यूशन के पक्ष में हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने कहा था कि हमारी कोशिश यही रहनी चाहिए कि कूटनीति के जरिए टू-स्टेट सॉल्यूशन लाया जाए और गाजा में खाने-पीने की चीजें और जरूरी सामान बिना किसी बाधा के पहुंच सके।

कोलकाता पुलिस ने भाजपा विधायक अशोक डिंडा को किया तलब ; पुलिसकर्मियों को धमकाने का आरोप

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने मंगलवार को भाजपा विधायक और पूर्व भारतीय क्रिकेटर अशोक डिंडा को समन किया। डिंडा पर आरजी कर अस्पताल कांड के एक साल पूरे होने पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर धमकाने के आरोप है। डिंडा को 17 अगस्त को न्यू मार्केट पुलिस स्टेशन के अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। एक अधिकारी ने बताया, 'शनिवार की रैली के दौरान अशोक डिंडा ने हमारे अधिकारियों को धमकाया। उन्होंने दूसरों को हमारे ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों पर हमला करने के लिए उकसाया भी। उन्होंने एक आईएएस अधिकारी के गार्ड पर भी हमला किया। उन्हें 17 अगस्त को न्यू मार्केट पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए तलब किया गया है।' उन्होंने बताया कि डिंडा की ओर से पुलिस अधिकारियों को धमकाने और गाली-गलौज करने का वीडियो फुटेज सीज कर लिया गया है। 9

केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए... SIR विवाद के बीच ऐसा क्यों बोले टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची में त्रुटियाँ हैं, तो पूरी लोकसभा और केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के चुनाव के लिए इसी सूची का इस्तेमाल किया गया था। बनर्जी ने चुनाव आयोग पर कथित मतदाता सूची विसंगतियों पर सवालों

से बचने का आरोप लगाया और गुजरात और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में एक ही मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले मतदाताओं के उदाहरण दिए। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग डरा हुआ है।

पत्रकारों से बात करते हुए, अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कल दिल्ली में लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों, जिनमें कई महिला सांसद भी शामिल थीं, के साथ दिल्ली पुलिस ने जिस तरह का व्यवहार किया, उससे साफ है कि चुनाव आयोग डरा हुआ है। उनके पास हमारे सवालों का कोई जवाब नहीं है। अगर आपके पास कोई जवाब है, तो बताइए कि गुजरात और बंगाल दोनों राज्यों में एक ही मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले मतदाता कैसे हैं? अलग-अलग मतदान केंद्रों पर एक ही नाम वाले मतदाता कैसे हैं? उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग कह रहा है कि मतदाता सूची में त्रुटि है। अगर हम मान लें कि वे सही हैं, तो इसी मतदाता सूची और मतदाता सूची के आधार पर एक साल पहले देश के प्रधानमंत्री चुने गए, भाजपा के 240 सांसद चुने गए, देश के गृह मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और रक्षा मंत्री चुने गए... अगर मतदाता सूची में कोई अनियमितता है, तो पूरी लोकसभा भंग कर दीजिए... अगर आप एसआईआर करना चाहते हैं, तो कीजिए, लेकिन पहला कदम लोकसभा भंग करना होना चाहिए। टीएमसी नेता ने साफ तौर पर कहा कि केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए। आप इसी मतदाता सूची के आधार पर चुने गए थे, लेकिन आप कह रहे हैं कि बंगाल में मतदाता सूची गलत है, लेकिन गुजरात में तो ठीक है... अगर एसआईआर होना है, तो यह पूरे देश में होना चाहिए। इससे पहले, मानसून सत्र के सत्रहवें दिन, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर संसद में विरोध प्रदर्शन करने में इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हुए।

आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नाराज हुए जान्हवी कपूर और वरुण धवन, पोस्ट कर जताया विरोध

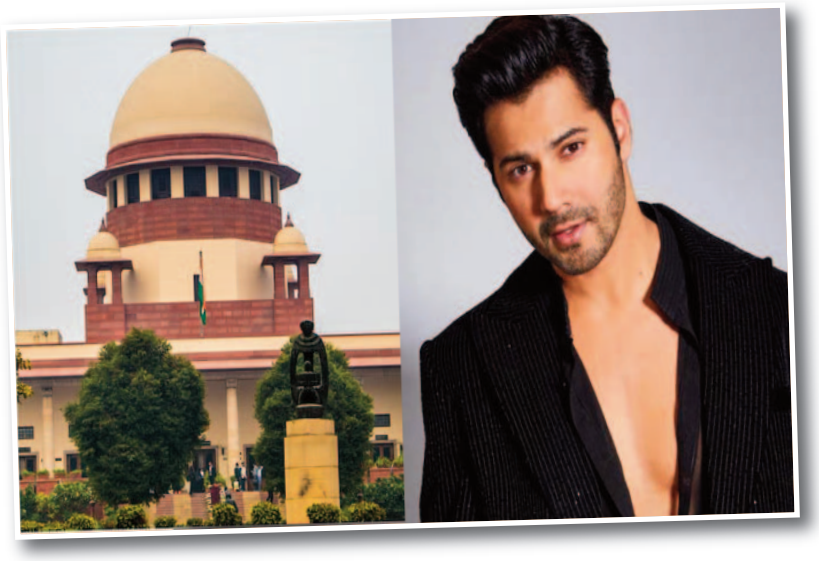

हाल ही में दिल्ली में आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया है, उससे बॉलीवुड के सितारे काफी नाराज हैं। रवीना टंडन के बाद अब जान्हवी और वरुण धवन ने भी विरोध जताया।

दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाकर उन्हें शेल्टर होम्स में भेजने के सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश ने हर तरफ एक नई बहस छेड़ दी है। अदालत का ये फैसला अब देशभर में बहस का कारण बन चुका है। खास तौर पर बॉलीवुड सेलेब्रिटीज इस फैसले के विरोध में खुलकर सामने आ रहे हैं।

जानवरों के लिए बॉलीवुड ने उठाई आवाज

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर और अभिनेता वरुण धवन ने इस आदेश को निर्दयी और अनुचित बताते हुए अपनी नाराजगी सोशल मीडिया पर जाहिर की है। जाह्नवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक पिटीशन शेयर करते हुए लिखा कि सड़कों पर रहने वाले ये जानवर सिर्फ आवारा कुत्ते नहीं हैं, बल्कि ये हमारे समाज का हिस्सा हैं।

जान्हवी कपूर ने शेयर किया पोस्ट

जान्हवी की इस अपील में कहा गया कि, 'यह वो ही कुत्ते हैं जो हर सुबह चाय की दुकान के बाहर बिस्किट का इंतजार करते हैं, जो दुकानों की रातभर निगरानी करते हैं, जो बच्चों के स्कूल से लौटने पर पूंछ हिलाकर उनका स्वागत करते हैं। ये इस बेरहम शहर में भी अपनापन देने वाले जीव हैं।'

समस्या से नजरें चुराना नहीं है समाधान

जान्हवी की इस अपील में यह भी जिक्र किया गया कि हर समस्या का समाधान कैद नहीं होता। जानवरों को सड़कों से हटाकर शेल्टर होम्स में डालना न तो व्यावहारिक समाधान है और न ही नैतिक। इसके बजाय बड़े पैमाने पर नसबंदी, वैक्सीनेशन, सामुदायिक फीडिंग ज़ोन और गोद लेने के अभियान जैसे उपाय किए जाने चाहिए।

वरुण धवन ने भी जताई नाराजगी

वहीं अभिनेता वरुण धवन ने भी इस पिटीशन को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए फैसले का विरोध किया। वरुण कई वर्षों से पालतू जानवरों के साथ रहते हैं और वह पहले भी जानवरों के अधिकारों के लिए आवाज उठा चुके हैं।

रवीना टंडन भी जता चुकी हैं विरोध

इससे पहले रवीना टंडन भी इस मामले पर अपनी राय दे चुकी हैं। उन्होंने एचटी सिटी से बातचीत में कहा 'आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या के लिए इन बेचारे कुत्तों को दोषी ठहराना गलत है। अगर स्थानीय निकायों ने टीकाकरण और नसबंदी अभियान को ठीक से चलाया होता, तो यह नौबत नहीं आती। स्थानीय निकायों को अपने इलाके के आवारा कुत्तों की जिम्मेदारी लेनी होगी। नसबंदी आज की सबसे बड़ी जरूरत है।'

सुप्रीम कोर्ट का पक्ष और विवाद

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि बच्चों और शिशुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और उन्हें सिर्फ इसलिए खतरे में नहीं डाला जा सकता कि कुछ लोग खुद को 'एनिमल लवर' कहते हैं। इस टिप्पणी ने जानवरों के हितों के लिए काम करने वाले संगठनों और पेट लवर्स को नाराज कर दिया है।

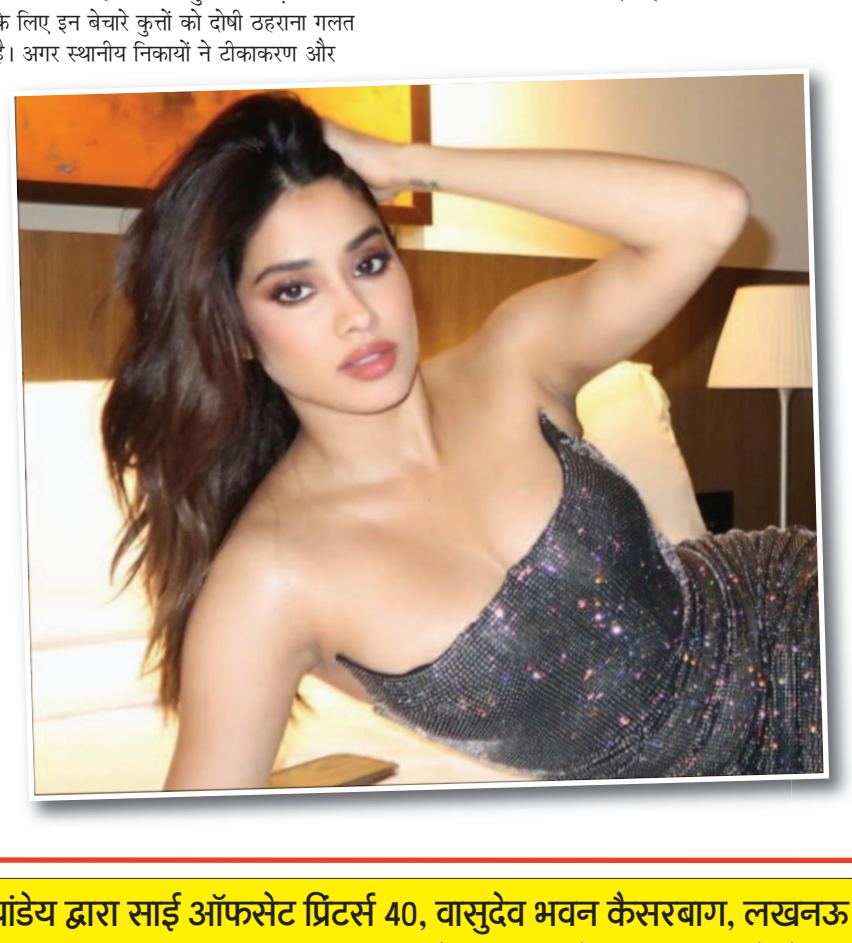

फिल्म सिला से करण वीर मेहरा का विलेन के रूप में आया पहला लुक, जहराक बनकर मचाएंगे स्क्रीन पर तबाही!

बॉलीवुड में जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है तो दर्शक कुछ डरावना देखने की उम्मीद करते हैं। बस इसी को ध्यान में रखते हुए करण वीर मेहरा अपनी नई फिल्म में विलेन की भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। जी हां, उनकी आने वाली फिल्म 'सिला' में उनके खलनायक अवतार 'जहराक' की पहली झलक सामने आई है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

निर्देशक ओमंग कुमार, जो 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी सशक्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब 'सिला' नाम की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में लीड रोल में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब दिखाई देंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वो है करण वीर मेहरा का खतरनाक और आक्रामक विलेन लुक। करणरी ने अपने इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जो अब फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साथ ही ये ऐसा लुक है जिससे करणवीर बिल्कुल भी पहचान में ही नहीं आ रहे हैं।

करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना लुक शेयर करते हुए लिखा – खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! करणवीर की इस एक लाइन ने फैंस को उनके किरदार की गहराई और भयावहता का अंदाजा दे दिया है। पोस्टर में

करण वीर लहूलुहान शरीर, लंबे उलझे बालों और हाथ में तलवार लिए युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। उनकी आंखों की आग और शरीर पर खून के धब्बों ने उन्हें एक क्रूर योद्धा के रूप में दिखाया है।

करण वीर का किरदार 'जहराक' फिल्म में काफी 'खतरनाक', इंटेंस' और 'डरावना' बताया जा रहा है। उनके लुक पर कई फैंस ने भी कमेंट किया है। उनके फैंस को लुक पसंद आया है। कई लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्हें फिल्म के आने का बेसब्री से इंतजार है।

फिल्म की कहानी समीर जोशी ने लिखी है, जबकि डायलॉग्स आरंभ एम. सिंह ने तैयार किए हैं। संगीत की जिम्मेदारी अंकित तिवारी, सचेत-परंपरा, श्रेयस पुराणिक और एलेक्सिया एवलिन जैसे प्रतिभाशाली संगीतकारों के पास है। ये टीम पहले ही कई हिट गाने दे चुकी है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

अबीर गुलाल के निर्माताओं ने अपनाया दिलजीत दोसांझ वाला पैंतरा, 29 अगस्त को रिलीज हो रही फिल्म

फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल पर खूब विवाद हुआ था। विवाद की वजह थी कि इसमें काम करने वाले पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी कलाकारों के लिए भारत और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सभी दरवाजे बंद कर दिए गए। बहरहाल, अब निर्माता फिल्म रिलीज करने के लिए दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 वाली रणनीति अपना रहे हैं। वे भारत छोड़कर दुनियाभर के सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज करने वाले हैं।

पहलगाम हमले के बाद से ऐसा कहा जा रहा था कि शायद फिल्म अबीर गुलाल को अब कभी रिलीज न किया जाए। हालांकि, हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पिक्चर रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है और वो भी इसी महीने यानी अगस्त में। जिस रणनीति के साथ दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 ने खूब पैसे छापे, अब वही काम इस फिल्म के साथ होगा। हालांकि, देखना ये होगा कि फिल्म वैश्विक स्तर पर कितना कमाती है।

अबीर गुलाल 29 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में आएगी। साथ ही फिल्म का नाम बदलकर आबीर गुलाल कर दिया जाएगा, जो फिलहाल अबीर गुलाल है। अंदरखाने से मिली जानकारी के मुताबिक, अबीर गुलाल के निर्माता सरदार जी 3 वाली राह पर चल रहे हैं। दरअसल, दिलजीत की यह फिल्म भी भारत में रिलीज नहीं हो पाई थी, क्योंकि इसमें पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर थीं। इसने दुनियाभर से तगड़ा कारोबार किया। यहां तक कि पाकिस्तान में भी कई रिकॉर्ड तोड़े।

अबीर गुलाल का टीजर आने के बाद से ही महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना इस फिल्म का बहिष्कार कर रही थी। जैसे ही फिल्म के रिलीज होने की जानकारी सामने आई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है और फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज न करने की धमकी दे डाली। बता दें कि इस फिल्म में फवाद की जोड़ी पहली बार वाणी कपूर के साथ बनी हैं, वहीं रिद्धि डोगरा और सोनी राजदान भी इसका हिस्सा हैं।

यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली थी। उधर कई सिनेमाहॉल फिल्म को रिलीज करने करने के लिए तैयार नहीं थे और कई मनोरंजन संगठनों ने इसके बहिष्कार की मांग की थी। पहलगाम हमले के बाद इस फिल्म को लेकर विरोध और तेज हो गया, जिसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भी भारत में इसकी रिलीज की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अबीर गुलाल के गाने भी यूट्यूब इंडिया से हटा दिए गए थे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com